हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

फैक्ट फाइल

- काउंटिंग स्टाफ ने ही पावन खजाने में बार-बार सेंध लगाई
- अधिकारियों की घोर लापरवाही और मिलीभगत के कारण बढ़ी हिम्मत
- गिरफ्तार आठ आरोपियों में से तीन एक दिन की पुलिस हिरासत में

हरिभूमि के पास एसआईटी की जांच रिपोर्ट

चौंकाने वाले खुलासे, 70 बार चोरी बनियान और जूते में भी छुपाए नोट

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धापूर्वक अर्पित की जाने वाली भेंट और चढ़ावे की राशि में एक संगठित और सोचे-समझे गबन का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शासन द्वारा गठित उच्च स्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि मंदिर के अभेद्य सुरक्षा दावों के बीच, वहां तैनात गणना कर्मियों (काउंटिंग स्टाफ) ने ही इस पावन खजाने में बार-बार सेंध लगाई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला

दान पात्रों की चाबियां साथ रखते थे आरोपी, 15 हजार पाने वाले के पास करोड़ों

विशेष संवाददाता ▶▶| अयोध्या/लखनऊ

खास खबर

प्रारंभिक रिपोर्ट हरिभूमि के पास है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गणना करने वाले कर्मचारियों की सेलरी 20 हजार रुपए थी। कटौती के बाद उन्हें 15 हजार रुपए मिलते थे लेकिन उनके और उनके परिजनों के बैंक खातों में लाखों पाए गए। साथ ही करोड़ों की संपत्ति अर्जित की गई।

एसआईटी की प्रारंभिक जांच अनुसार, 27 अप्रैल से 05 जून 2026 तक की अवधि के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर 70 बार चोरी और गबन के सीधे, अकाट्य और पुष्ट प्रमाण मिले हैं। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि यह कोई अचानक या एकाकी घटना नहीं थी, बल्कि एक निरंतर चलने वाली सोची-समझी प्रवृत्ति थी। आरोपी कर्मचारी नोटों की गड्डियों के पास बैठते थे और मौका पाकर नकदी को अपने वस्त्रों, जेबों, बनियान और जूतों जैसी जगहों ▶▶|शेष पेज 6 पर

तलाशी के नियम किए गए थे शिथिल

एसआईटी और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू और मानक संचालन प्रक्रिया के तहत काउंटिंग रूम के लिए बेहद कड़े सुरक्षा नियम तय थे। मसलन, नोट गिनने, संग्रह करने वाले कर्मचारियों की ड्रेस में जेब नहीं होनी चाहिए थी। गणना कक्ष में प्रवेश और बाहर जाते वक्त हर कर्मचारी की बारीकी से तलाशी लेनी चाहिए थी। कोई निजी वस्तु या मोबाइल ले जाना मना था।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में आरोपी के ठिकाने से बरामद हुआ 'रामराज्य कोष'

मैंने मौन धारण किया, सामने आएगा सच : चंपत

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने कहा कि मैंने मौन धारण किया है, लेकिन सच सामने आएगा। मंगलवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि एसआईटी द्वारा अंतिम रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ही वह उनपर लगाए गए सभी आरोपों का जवाब देंगे। राय ने 'राम भक्तों' को संबोधित करते हुए एक पत्र में लिखा, सात जून को मंदिर की दान पेटियों से दान की गिनती के दौरान कथित चोरी की घटना के बाद से इस मामले को लेकर चर्चा जारी थी और उनके खिलाफ व्यक्तिगत रूप से 'निराधार आरोप' लगाए गए।

चेतावनियों को किया गया था दरकिनार

एसआईटी रिपोर्ट में इस बात पर गहरा असंतोष व्यक्त किया गया है कि मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था इस गबन को बहुत पहले रोक सकती थी। वित्तीय वर्ष 2022-23 से लेकर 2025-26 तक की आंतरिक संपरीक्षा में लगातार चढ़ावा प्रबंधन की कमियों, हुंडियों को खोलने की अनुचित प्रक्रियाओं और सीसीटीवी कवरेज के अभाव को लेकर चेताया गया था। ऑडिट रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से यह अनुशंसा की गई थी कि काउंटिंग रूम की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग का बैकअप कम से कम 180 दिनों का रखा जाए। इसके बावजूद ट्रस्ट के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने ▶▶|शेष पेज 6 पर

6 मुख्य आरोपियों के नाम उजागर, बैंक खातों में मिला 'अवैध' खजाना

सीसीटीवी फुटेज, बयानों और बरामदगी के दस्तावेजों के आधार पर एसआईटी ने छह व्यक्तियों की गबन में प्रथम दृष्टया सीधी संलिप्तता की पुष्टि की है और इनके खिलाफ चोरी, आपराधिक दुर्विनियोग व आपराधिक न्यासभंग की धाराओं में एफआईआर की संस्तुति की।

- अविनाश शुक्ला
- अनुकल्प मिश्रा
- लवकुश मिश्रा
- मनीष कुमार यादव
- करुणेश पाण्डेय
- रमाशंकर मिश्रा

एसआईटी गठन से पहले ही हो चुकी थी 81 लाख की बरामदगी

इस घोटाले की भनक ट्रस्ट को पहले ही लग चुकी थी। एसआईटी के औपचारिक गठन से पूर्व ही ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने जब संदिग्धों से कड़ाई से पूछताछ की, तो आरोपियों ने लिखित सुपुर्दगी व स्वीकृति पत्रों के साथ लगभग 78.94 लाख की नकदी, कुछ विदेशी मुद्रा और बहुमूल्य आभूषण ट्रस्ट को सरेंडर किए थे। इसके अतिरिक्त, जांच के दौरान ही 4 जून 2026 को गणना कक्ष से बिल्कुल सटे हुए बाथरूम से 2.25 लाख की नकदी लावारिस स्थिति में बरामद की गई थी, जिसे छिपाकर बाहर ले जाने की तैयारी थी।

खातों में लाखों की एफडी

एसआईटी द्वारा जब इन संविदा कर्मचारियों और उनके निकटतम परिजनों के बैंक खातों का वित्तीय विश्लेषण किया गया, तो चौंकाने वाली विसंगतियां सामने आईं। महज 15,000 (कटौतियों के बाद) मासिक वेतन पाने वाले इन कर्मियों के खातों में भारी मात्रा में नकद राशि जमा पाई गई। इनके नाम पर कई फिक्स्ड डिपॉजिट और आय के ज्ञात स्रोतों से बिल्कुल बेमेल चल-अचल संपत्तियों के निवेश मिले हैं, जिन्हें इन्होंने गबन की राशि से अर्जित किया था।

फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 मजदूरों की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के औद्योगिक क्षेत्र उरला स्थित श्रीडी फैक्ट्री में मंगलवार शाम बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में एक जोरदार धमाका हुआ, जिसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। बताया जा रहा है कि इस हादसे में तीन मजदूरों की मौत तथा कुछ के घायल एवं मलबे के नीचे दबे होने की भी आशंका है। हादसे के बाद पुलिस, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई है। इधर हादसे के ▶▶|शेष पेज 6 पर

दो किमी दूर तक सुनाई दी आवाज

पुलिस सूत्रों से पता चला कि हादसा देर शाम को हुआ है। हादसे के समय फैक्ट्री में काम चल रहा था, जहां कई मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक यहां ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज लगभग दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। बताया जा रहा है कि इस हादसे में काम कर रहे दो मजदूरों ▶▶|शेष पेज 6 पर

गौरीशंकर केश शिल्पी बोर्ड और डॉ. ममता साहू राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष

- 13 निगम मंडल आयोग में अध्यक्ष उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति

रायपुर। विष्णुदेव सरकार ने निगम मंडल की एक और सूची जारी की है। राज्य महिला आयोग, केश शिल्पी कल्याण बोर्ड, राज्य अनुसूचित आयोग, मछुआ कल्याण बोर्ड, संस्कृत विद्याा मंडल, शाकंभरी बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की गई है। गौरीशंकर श्रीवास को केश शिल्पी बोर्ड और ममता साहू राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बनाई गई हैं। जारी सूची में गौरीशंकर श्रीवास को केश शिल्पी बोर्ड का अध्यक्ष और ▶▶|शेष पेज 6 पर

गौरीशंकर श्रीवास

ममता साहू

संस्कृत विद्या मंडल के अध्यक्ष राजेश राजपूत

छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मंडल रायपुर में अध्यक्ष राजेश कुमार राजपूत, सदस्य सुमन मुथा बनाई गई हैं। शाकंम्बरी बोर्ड में राजेंद्र कुमार नायक को अध्यक्ष, बसंत पटेल, प्रेमलाल पटेल, संतोष पटेल, प्रेम पटेल को सदस्य नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग अध्यक्ष सुधीर गौतम, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य मनमथ नाथ शर्मा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम सदस्य प्रसन्ना अवस्थी, रायपुर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष जेपी शर्मा, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल उपाध्यक्ष किशोर महानंद, गौ सेवा आयोग उपाध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग उपाध्यक्ष मंगल दास ठाकुर को नियुक्त किया गया है।

साय ने नियुक्तियों पर दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के विभिन्न निगम, मंडल, आयोग, बोर्ड, समिति एवं अन्य संस्थाओं में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी होने पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी जनसेवा, सुशासन और लोककल्याण के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई गति प्रदान करेंगे।

सर्वाधिक 12-12 कॉलेज महाराष्ट्र और उप्र में बंद

छग तकनीकी शिक्षा संचालनालय ने मंगलवार को जारी की प्रथम चयन सूची

देशभर में बंद हुए 58 इंजीनियरिंग कॉलेज, छत्तीसगढ़ से एक भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन ने देशभर के 58 इंजीनियरिंग और टेक्निकल कॉलेज बंद करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही 950 से ज्यादा कोर्स भी बंद कर दिए गए हैं। हालांकि जिन छात्रों ने पहले से इन कॉलेजों में एडमिशन ले रखा है, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। उनकी पढ़ाई पहले की तरह जारी रहेगी और वे अपनी डिग्री पूरी

कर सकेंगे। सबसे ज्यादा 12-12 कॉलेज उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बंद किए गए हैं। इसके बाद मध्यप्रदेश में 8 कॉलेज बंद हुए हैं। तेलंगाना और पंजाब में 4-4, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में 3-3, जबकि गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 2-2 कॉलेज बंद ▶▶|शेष पेज 6 पर

यह है 'प्रोग्रेसिव क्लोजर'

इस फैसले के तहत कॉलेज धीरे-धीरे बंद किए जाते हैं। यानी नए छात्रों का दाखिला रोक दिया जाता है, लेकिन जो छात्र पहले से पढ़ रहे हैं, उनकी पढ़ाई पूरी कराई जाती है इसे ही 'प्रोग्रेसिव क्लोजर' कहा जाता है। गौरतलब है कि इन महाविद्यालयों को गुणवत्ता संबंधित मापदंड पूरा नहीं करने के कारण ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन द्वारा बंद किया गया है, जबकि छग में जो भी इंजीनियरिंग महाविद्यालय हाल के वर्षों में बंद हुए हैं, उन्होंने स्वेच्छा से अपने संस्थान बंद करने आवेदन दिए थे।

29 कॉलेजों में 7651 सीटें

छत्तीसगढ़ में तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में दाखिले की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मंगलवार को प्रथम मेरिट लिस्ट जारी की गई। प्रदेश के 29 इंजीनियरिंग महाविद्यालयों की 7651 सीटों पर काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश दिए जाएंगे। मेरिट लिस्ट में जिन छात्रों के नाम हैं, उन्हें 10 जुलाई तक संबंधित महाविद्यालय में दाखिला लेना होगा। इसके बार रिक्त सीटों की जानकारी साझा की जाएगी।

विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर हुई चर्चा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन से मिले सीएम साय और नेता प्रतिपक्ष महंत

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से स्पीकर हाउस पहुंचकर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई।

बताया गया है कि मुलाकात के दौरान आगामी विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों और सदन के सुचारू संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्पीकर हाउस से सीधे मंत्रालय के लिए रवाना हो गए। वहीं नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत भी स्पीकर हाउस पहुंचे और विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की। बैठक के बाद वे स्पीकर हाउस से बाहर निकल गए। इस मुलाकात को सत्र की रणनीति और सदन की कार्यवाही के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होगा, जो 17 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान विधानसभा की कुल पांच बैठकें आयोजित की जाएंगी। सत्र में वित्तीय कार्यों के साथ-साथ अन्य शासकीय कार्यों का भी संपादन किया जाएगा। सत्र को लेकर विधायकों ने 1033 सवाल लगाए हैं। सवालों में कानून व्यवस्था, सामूहिक विवाह में नकली मंगलसूत्र, सड़क निर्माण ठेके में गड़बड़ी, जल जीवन मिशन में ठेकेदारों के लंबित भुगतान, नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, विस्थापन और विधायक आवास के लिए प्रस्तावित भूमि से जुड़ा विवाद भी विधानसभा के मानसून सत्र में गूंज सकता है।

किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

मानसून सत्र में किसानों से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से उठेंगे। कांग्रेस खरीफ सीजन में खाद, बीज की उपलब्धता, सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, धान खरीदी की तैयारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। विपक्ष का आरोप है कि किसानों को समय पर खाद, बीज और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे खेती-किसानी प्रभावित हो रही है।

मरीजों से ओवरलोड हो रहा आंबेडकर अस्पताल, सात सौ बेड का इंटीग्रेटेड हास्पिटल अभी कागजों पर

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

ओवरलोड हो रहे आंबेडकर अस्पताल के मरीजों को सुविधा देने बनाया जाने वाला सात सौ बेड का इंटीग्रेटेड हास्पिटल अभी भी कागजों से बाहर नहीं निकल पाया है। निराश करने वाली बात यह है कि 231 करोड़ की इस योजना के लिए सीजीएमएससी डेढ़ साल में निर्माण एजेंसी तय करने टेंडर भी पूरा नहीं कर पाई है। पेचीदगी और अन्य नियमों की वजह से उसका दो प्रयास फेल हो चुका है। योजना के मुताबिक यहां 6 मंजिला सुविधायुक्त हास्पिटल तैयार करना है और योजना की इतनी धीमी चाल से इसके पूरा होने में सालों लगने की संभावना है।

आंबेडकर अस्पताल की दो पुरानी योजनाओं को पूरा करने के लिए भूमिपूजन किया गया है। माना जा रहा है कि कैंसर भवन, हास्टल का निर्माण का काम शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। कालेज परिसर में स्थित पुराने हास्टल के स्थान पर सात सौ बिस्तर की क्षमता वाला नया हास्पिटल भवन बनाने की योजना डेढ़ साल पुरानी है, मगर इसका काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है। इस निर्माण की जिम्मेदारी सीजीएमएससी को दी गई है, जो एजेंसी तय करने का काम डेढ़ साल में दो टेंडरों के बाद भी पूरी नहीं कर पाई है। इंटीग्रेटेड भवन बनाने के पहले चिन्हित स्थान पर खड़े हास्टल के खंडहर को गिराना होगा और उससे निकलने वाले मलबे को हटाना बड़ा और चुनौती भरा काम है। योजना से संबंधित काम पूरा करने की सुस्ती के कारण भवन तैयार होने में कई साल लगने की संभावना है। तब तक आंबेडकर अस्पताल के कई विभाग में आने वाले मरीजों को बेड शेयर कर अपना इलाज कराना होगा। ओवरलोड मरीजों की समस्या सबसे ज्यादा अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, मेडिसिन और सर्जरी जैसे विभागों में है।

अस्पताल के पुराने भवन का निर्माण भविष्य को ध्यान में रखकर नहीं किया गया था। नए भवन में वर्तमान और भविष्य में सामने आने वाली जरूरतों को ध्यान रखे जाने की योजना बनाई गई है। नए भवन में मरीजों के लिए रैंप के साथ लिफ्ट की सुविधा देने। गर्मी से बचाव के लिए सेंट्रलाइज कूलिंग सिस्टम तथा ऐसे विभाग को आसपास शिफ्ट करने की योजना है जिसे मरीजों के इलाज के दौरान एक दूसरे की आवश्यकता होती है।

शिक्षाकर्मी भर्ती घोटाला, सात आरोपियों को सशर्त जमानत

■ धमतरी जिले के मगरलोड थाने में दर्ज है मामला

बिलासपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की सिंगल बेंच ने धमतरी जिले की वर्ष 2007 की शिक्षाकर्मी ग्रेड-3 भर्ती में कथित अनियमितताओं से जुड़े 18 साल पुराने मामले में सात आरोपियों को अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि इसी मामले में समान आरोपों वाले अन्य सह-आरोपियों को पहले ही राहत मिल चुकी है, इसलिए वर्तमान याचिकाकर्ताओं को भी जमानत का लाभ दिया जाना उचित है। जस्टिस सचिन सिंह राजपूत के सिंगल बेंच ने सात अलग-अलग आपराधिक अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया है। वर्ष 2007 में जनपद पंचायत मगरलोड में शिक्षाकर्मी वर्ग-3 के 172 पदों पर भर्ती प्रक्रिया हुई थी। आरोप है कि चयन समिति के सदस्यों और अन्य आरोपियों ने साजिश के तहत कुछ अभ्यर्थियों के फर्जी या अमान्य दस्तावेजों के आधार पर अंक बढ़ाकर उन्हें चयनित करा दिया, इसके चलते पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं मिली और वे बाहर हो गए। इस संबंध में वर्ष 2011 में पुलिस थाना मगरलोड में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(9)(4) के तहत अपराध दर्ज किया गया था।

गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, याचिकाकर्ताओं को इस मामले में गिरफ्तार किया जाता है तो उन्हें 50-50 हजार रुपए के निजी मुचलके और समान राशि के एक-एक जमानतदार पर रिहा किया जाए। सभी आरोपी जांच में सहयोग करेंगे, गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे, ट्रायल में नियमित रूप से उपस्थित रहेंगे तथा भविष्य में इसी तरह का कोई अपराध नहीं करेंगे।

बिना किसी ठोस कारण के जांच और चार्जशीट में 6 साल से अधिक की देर प्रताड़ित करने जैसा

सिरगिट्टी निवासी युवक के खिलाफ एफआईआर और चार्जशीट निरस्त

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि बिना किसी ठोस कारण के जांच और चार्जशीट में 6 साल से अधिक की देरी करना आरोपी को प्रताड़ित करने जैसा है। यह संविधान के आर्टिकल 21 के तहत मिलने वाले जल्द सुनवाई के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। इस टिप्पणी के साथ ही डिवीजन बेंच ने युवक के खिलाफ एफआईआर और चार्जशीट को निरस्त कर दिया है।

बिलासपुर के सिरगिट्टी निवासी याचिकाकर्ता कैलाश यादव निजी चैनल में वीडियो जर्नलिस्ट का काम करता है। साल 2018 में पुलिसकर्मियों का आंदोलन चल रहा था। इस दौरान 20 जून 2018 को पुलिस अफसरों ने आंदोलनकारी पुलिसकर्मियों की पत्नी को महिला थाने में बैठा लिया था। उन्हें बिना वजह हिरासत में रखे जाने की खबर मिलने पर अपनी टीम के साथ पड़ताल करने के लिए देर रात महिला थाना पहुंचा था। आरोप है कि जब उन्होंने पुलिस से इस मामले में

जानकारी मांगी, तो पुलिसकर्मियों ने सहयोग करने के बजाय उनके साथ मिसबिहेव किया। बाद में पुलिस ने उनके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने (धारा 186, 353), मारपीट (धारा 323) और मिलीभगत (धारा 34) के तहत झूठा केस दर्ज कर दिया था।

बयानों में काफी विरोध

पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ कैलाश यादव ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि घटना 2018 की है, जबकि पुलिस ने चार्जशीट नवंबर 2024 में पेश की। इस 6 साल की लंबी देरी का पुलिस विभाग के पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था। सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसले में हाईकोर्ट ने कहा कि केस डायरी और चार्जशीट देखने से साफ है कि पूरा मामला सिर्फ पुलिसकर्मियों और उनके जुड़े हुए गवाहों के बयानों पर टिका है, मौके पर कोई भी स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था। बयानों में काफी विरोध है और याचिकाकर्ता के खिलाफ किसी भी अपराध का कोई सीधा सबूत नहीं मिला है। ऐसे में मामले को आगे बढ़ाना कानून का गलत इस्तेमाल माना जाएगा

हाईकोर्ट ने डॉक्टर का जिलाबदर आदेश किया निरस्त

प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन पर राज्य सरकार की कार्रवाई रद्द

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दुर्ग जिले के चिकित्सक डॉ. दुष्यंत खोसला के विरुद्ध पारित जिलाबदर आदेश एवं गृह विभाग द्वारा अपील निरस्त करने के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायालय ने माना कि जिलाबदर की कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत की गई तथा वैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता श्रद्धा राज ज्योतिषी, प्रमांशु शर्मा एवं संदीप कुमार तिवारी ने पक्ष रखा। याचिका में कहा गया था कि जिला प्रशासन ने बिना प्रभावी सुनवाई का अवसर दिए, गवाहों के बयान पहले ही दर्ज कर लिए तथा जिरह और बचाव का अवसर नहीं दिया। साथ ही केवल लंबित आपराधिक मामलों के आधार पर जिलाबदर का आदेश पारित कर दिया गया। खंडपीठ ने अपने निर्णय में कहा कि जिलाबदर जैसा आदेश किसी व्यक्ति के निवास, आवागमन और आजीविका के मौलिक अधिकारों को प्रभावित करता है, इसलिए प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और वैधानिक प्रक्रिया का कड़ाई से पालन आवश्यक है। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आपराधिक प्रकरण दर्ज होना या लंबित होना जिलाबदर का पर्याप्त आधार नहीं हो सकता तथा अभिलेखों में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं था जिससे यह सिद्ध हो कि याचिकाकर्ता की गतिविधियों से लोक व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।

बिलासपुर
बुधवार 8 जुलाई 2026
आषाढ़, कृष्ण पक्ष अष्टमी
वर्ष : 26, अंक : 107
पृष्ठ : 10+6 =16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 30.2
न्यून. 25.1

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

7 तालियों के बीच विदाई अधूरा रह गया

विचार पेज
2 खेल महाकुंभ की पर्यावरणीय

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाने के नियम सख्त, नदी-आबादी और स्कूलों से रखनी होगी दूरी

- पर्यावरण संरक्षण मंडल ने जारी किए नए साइटिंग मानदंड
- रेड, ऑरेंज और ग्रीन श्रेणी के उद्योगों के लिए अलग-अलग दूरी तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में अब उद्योग लगाने के लिए स्थान का चयन पहले की तुलना में अधिक सख्त नियमों के तहत करना होगा। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल (सीईसीबी) ने उद्योगों की स्थापना के लिए नए 'साइटिंग क्राइटेरिया' (स्थान चयन मानदंड) अधिसूचित कर दिए हैं। इसके तहत उद्योगों को नदियों, तालाबों, आबादी, स्कूलों, अस्पतालों, धार्मिक स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों और इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से न्यूनतम निर्धारित दूरी बनाए रखना अनिवार्य होगा। यह आदेश वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 तथा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। इसका उद्देश्य उद्योगों के कारण पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना है।

जल स्रोतों से इतनी दूरी जरूरी

राजस्व अभिलेखों के अनुसार किसी भी सतही जल स्रोत (बाढ़ क्षेत्र, एचएफएल अथवा रेड लाइन) की सीमा से उद्योगों की न्यूनतम दूरी तय की गई है। रेड श्रेणी के उद्योग - 500 मीटर से अधिक दूरी। ऑरेंज श्रेणी के उद्योग : अपशिष्ट जल उत्पन्न करने वाले उद्योग- 75 मीटर से अधिक। अपशिष्ट जल उत्पन्न नहीं करने वाले उद्योग - 30 मीटर से अधिक। ग्रीन श्रेणी के उद्योग- 30 मीटर से अधिक दूरी।

आरक्षित वन से सभी उद्योगों के लिए समान दूरी

अधिसूचना में आरक्षित वन की अधिसूचित सीमा से सभी श्रेणी के उद्योगों के लिए न्यूनतम 100 मीटर दूरी अनिवार्य की गई है। यानी रेड, ऑरेंज और ग्रीन— तीनों श्रेणियों के उद्योगों पर यह समान रूप से लागू होगा।

आबादी, स्कूल और धार्मिक स्थलों के लिए अलग नियम

रिहायशी क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों, पूजा स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों तथा इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से भी न्यूनतम दूरी निर्धारित की गई है। रेड श्रेणी- 500 मीटर। ऑरेंज श्रेणी - 200 मीटर। ग्रीन श्रेणी - 100 मीटर।

पुराने आदेश को मिला राजपत्र का दर्जा

पर्यावरण संरक्षण मंडल ने सितंबर 2025 में उद्योगों के लिए न्यूनतम दूरी संबंधी कार्यालय आदेश जारी किया था, जिसमें जून 2026 में संशोधन किया गया। अब इन्हीं प्रावधानों को राजपत्र में अधिसूचित कर विधिक स्वरूप प्रदान किया गया है। इसके बाद राज्य में नए उद्योगों की स्थापना के दौरान इन्हीं मानकों के आधार पर पर्यावरणीय स्वीकृति और स्थान चयन का परीक्षण किया जाएगा।

क्या होगा असर

नए मानदंडों से जल स्रोतों, आबादी और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के निकट प्रदूषणकारी उद्योग स्थापित करने पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया में स्थान चयन को लेकर स्पष्ट और एकरूप नियम लागू हो जाएंगे, जिससे भविष्य में पर्यावरणीय विवादों और जन-आपत्तियों को भी कम करने में मदद मिलने की संभावना है।

बारिश से कई राज्यों में हाहाकार, जम्मू में बादल फटा महाराष्ट्र पानी-पानी

केरल में तबाही, लैंड स्लाइड में तीन मजदूरों की मौत, कई लापता

- वायनाड में 200 फीट दूर से तिनके की तरह बहता आया टैंकर
- ओडिशा में फसल बर्बाद, सरकार कर रही आकलन
- छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में हुई हल्की बारिश

देशभर में मानसून की बारिश जारी है। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा समेत कई राज्यों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस बीच, केरल के वायनाड जिले के मेप्पाडी के पास कल्लाडी में मीनाक्षी ब्रिज के नजदीक अचानक धरती चटकी। अंडर-कंस्ट्रक्शन सुरंग सड़क परियोजना की खुदाई का मलबा भरभरा कर नीचे गिर पड़ा। इस हादसे में तीन मजदूर की मौत हो गई, सात घायल हुए और सात अब भी लापता हैं। 2 साल पहले भी त्रासदी में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

एजेंसी ▶▶| वायनाड

केरल के वायनाड में एक टनल बनाने की जगह के पास जबरदस्त लैंडस्लाइड का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं सात मजदूर घायल हो गए। यह घटना ऐसे वक्त में हुई है, जब वायनाड में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। हादसे के बाद कई लोग मलबे में दब गए हैं। इनको बचाने का काम चल रहा है, जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था। ताजा हादसा मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ, जहां अनाक्कमपॉयल-कल्लाडी-मेप्पाडी ट्विन टनल प्रोजेक्ट का काम चल रहा है। मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के तहत मलप्पुरम को वायनाड से सुरंग (टनल) ▶▶|शेष पेज 6 पर

खास खबर

कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका

केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की मानें तो लगता है कि और भी लोग अभी फंसे हुए हैं। एक चर्च, एक चाय की दुकान और एक बस स्टॉप कीचड़ के नीचे दब गए हैं। लैंड स्लाइड मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ।

छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह से एक्टिव

मौसम विभाग के अनुसार, मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटों में भारी और मध्यम बारिश की संभावना है। इसके साथ ही कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

महाराष्ट्र में भूस्खलन की चपेट में आए पांच घर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बड़ा भूस्खलन हुआ है। इस हादसे में पांच मकान मलबे में दब गए और कुछ लोग उसके नीचे फंस गए हैं। यह घटना सोमवार रात खेड़ तहसील के दहिवली इलाके में हुई। हादसे के बाद 75 वर्षीय कल्पना शेलार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

शिक्षक 3 किमी पैदल चलकर पहुंचे स्कूल

बह गई निर्माणाधीन पुलिया टूटा छह गांवों का संपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेदम

अंबिकापुर जिले के ग्राम करदना सहित आसपास के छह गांव के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके इसे ध्यान में रखकर दिसंबर माह में क्षेत्र के 9 किमी दायरे में तीन पुलिया निर्माण का काम शुरू किया गया। हैरानी की बात तो यह है कि निर्माण शुरू हुए कई माह बीत गए लेकिन पुलिया निर्माण पूरा नहीं हो सका। आलम यह है कि गत दिन हुई भारी बारिश से पुलिया के समीप बनाने गए तीन डायवर्सन मार्ग बह गया।

बनाया जाएगा डायवर्सन मार्ग

भारी बारिश से निर्माणाधीन पुलिया के समीप बनाए गए डायवर्सन मार्ग बह गया है। आवागमन में लोगों को हो रही परेशानी के मद्देनजर समस्या को दूर करने पाइप डालकर डायवर्सन मार्ग बनाया जाएगा।
-विकास कौशिक, ईई, प्रधानमंत्री सड़क

इंडोनेशिया भी ब्रह्मोस का मुरीद भारत तीन देशों को बेचेगा मिसाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच मंगलवार को हुई वार्ता में इंडोनेशियाई सैन्य बलों को ब्रह्मोस मिसाइलों की आपूर्ति, समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ बनाने पर सहमति बनी। वियतनाम और फिलीपीन के साथ इसी तरह के रक्षा समझौते करने के बाद अब भारत ने इंडोनेशिया के साथ यह ब्रह्मोस मिसाइल सौदा किया है। दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण खनिज, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, दवाओं और समुद्री सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी 2018 की भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार तथा सुरक्षा ▶▶|शेष पेज 6 पर

- 200 मिलियन डॉलर की रक्षा डील पक्की

भारत-इंडोनेशिया में प्रमुख समझौते

- दोनों देशों ने वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर
- समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पहले से चल रहे समझौता ज्ञापन को लागू करने के समझौते को आगे बढ़ाया
- सेल और पीटी क्राकाटाउ स्टील के बीच इंडोनेशिया में स्टेनलेस-स्टील स्लैब निर्माण इकाई स्थापित करने की मंजूरी
- भारत और इंडोनेशिया के बीच स्वास्थ्य कार्यबल सहयोग पर कार्यान्वयन समझौता

मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मंगलवार को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिन्तांग आदिपूर्ण ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' प्रदान किया गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मोदी को यह पदक प्रदान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, आज सुबह, मुझे बहुत स्नेह के साथ इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान भी प्रदान किया गया है। यह सम्मान कोटि-कोटि भारतवासियों का है। इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं का है, भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और आत्मीय संबंधों का है।

खबर संक्षेप

परिवार को कुचला, पिता व तीन बच्चों की मौत

जयपुर। जयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े परिवार के पांच सदस्यों को कुचल दिया। इस हादसे में पिता व तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल है। यह हादसा मंगलवार सुबह करीब पौने नौ बजे 200-फुट बाईपास के किनारे सड़क के पास हुआ।दिल्ली से अजमेर की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने रेलिंग को तोड़ते हुए नाले के पास खड़े एक दंपति व उनके बच्चों को कुचल दिया। यह परिवार सड़क किनारे नाले के उपर सीमेंट की पट्टियों पर खड़ा था। भारी ढुलाई वाहन (ट्रेलर) की टक्कर से सीमेंट की पट्टियां भी टूट गईं और पीड़ित नाले में गिर गए। तीनों बच्चों की घटना स्थल पर मौत हो गई।

भारत के सेतु पुरुष गिरीश भारद्वाज का निधन

मंगलुरु। पद्मश्री से सम्मानित और सुदूर गांवों में कम लागत वाले सस्पेंशन सेतुओं का निर्माण करने के लिए प्रसिद्ध 76 वर्षीय गिरीश भारद्वाज का मंगलवार तड़के सुलिया में एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में सुलिया से मैकेनिकल इंजीनियर भारद्वाज ने तीन दशकों तक देशभर में 140 से अधिक सस्पेंशन पैदल पुलों का निर्माण कर अलग-थलग पड़े ग्रामीण समुदायों को जोड़ा। उनके अनूठे, कम लागत वाले पुल की डिजाइनों ने स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों तक वर्ष पर्यंत पहुंच की सुविधा देकर हजारों लोगों का जीवन बदला।

केतन हत्याकांड में पुलिस को शक

सिया-चेतन ने कुछ महीने पहले कर ली थी शादी!

एजेंसी ▶▶| पुणे

पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या की जांच कर रही पुलिस को संदेह है कि मामले में आरोपी सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने वारदात से कुछ महीने पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। सिया (20) और चेतन (22) पर आरोप है कि उन्होंने अग्रवाल (25) को 18 जून को पुणे जिले के लोहगढ़ किले की पहाड़ी से धक्का देकर उसकी हत्या कर दी। अग्रवाल और गोयल की शादी इसी साल नवंबर में होने वाली थी। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सिया और चेतन के बीच हुई बातचीत के विश्लेषण से पता चलता है कि उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। उनकी शादी के बारे में कुछ अपुष्ट खबरें भी आई हैं। हम इस दावे का सत्यापन कर रहे हैं और यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या शादी का कानूनी रूप से पंजीकरण कराया गया था।

कॉलेज के दो दोस्तों से पूछताछ

सिया के कॉलेज के दो दोस्तों से पूछताछ शुरू हो चुकी है, जिन्होंने कथित तौर पर इस सीक्रेट शादी में विवाह के दस्तावेजों पर साइन किए थे। इसके साथ ही टेक्निकल टीमें इंस्टाग्राम अकाउंट से हटाई तस्वीरों को भी दोबारा प्राप्त करने का प्रयास कर रही हैं।

व्हाट्सऐप चैट सबूत मिलने का दावा

आरोपियों के मोबाइल फोन की व्हाट्सऐप चैट खंगालने पर मिले सबूतों के आधार पर ये बड़ा दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि केतन से सगाई के बाद ये सीक्रेट शादी हुई थी। इस मामले में 16 जुलाई को पुणे कोर्ट में आरोपियों को पेश किया जाएगा।

इधर, छत से धक्का देकर भी नहीं मरा, तो टॉयलेट क्लीनर से मर्डर

तेलंगाना के निजामाबाद जिले से एक ऐसा सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। नर्स पत्नी ने पति को प्रेमी के साथ छत से धक्का दिया। बचने के बाद पति की टॉयलेट क्लीनर से जान ले ली। पुलिस का दावा है कि प्रशांत की पत्नी संध्या ने अपने प्रेमी और एक अन्य साथी के साथ मिलकर पति की हत्या की पूरी साजिश रची। 29 जून को वेंकट साई प्रशांत को शराब पिलाकर एक इमारत की छत पर ले गया। इसी दौरान संध्या से फोन पर बात करने के बाद उसने प्रशांत को छत से नीचे धक्का दे दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। फिर घर लाकर इलाज जारी रखा गया। इसी दौरान, नर्स के तौर पर काम करने वाली संध्या ने कैनुला के जरिये प्रशांत के शरीर में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया की दवा इंजेक्ट कर दी।

बद्रीनाथ में चढ़ावा चोरी का मामला

सबूत मिलने के बाद कमेटी अध्यक्ष का निजी सचिव सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| देहरादून

बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने कमेटी अध्यक्ष के निजी सचिव और आरोपी प्रमोद नौटियाल को सस्पेंड कर दिया है। आरोपी को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया है। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला गया। इस दौरान खुलासा हुआ कि प्रमोद नौटियाल ने थाली भेंट गणना स्थान पर सामान्य गिनती के अलावा कुछ चीजें अपने मोबाइल के साथ अपने पास रख ली थी।

चार सदस्यीय टीम पहुंची बद्रीनाथ

बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले की जांच अब तेज हो गई है। इस मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय टीम बद्रीनाथ धाम पहुंच चुकी है। यह टीम 10 जुलाई तक मंदिर में रहकर पूरे मामले की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी।

एसीबी ने वॉट्सएप चैट से पकड़ी चोरी

डीएसपी ने 27 साल में बनाई 300 करोड़ रुपए की संपत्ति

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने पुलिस महकमे के डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में अरेस्ट कर लिया। कोर्ट ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसीबी ने डीएसपी भीम रेड्डी के तेलंगाना और कर्नाटक स्थित 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी और 300 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता लगाया था। डीएसपी ने अकूत दौलत 27 साल की नौकरी में बनाई थी।

कॉन्स्टेबल से बने डीएसपी

भीम रेड्डी ने 1989 में बतौर कॉन्स्टेबल पुलिस विभाग में नौकरी शुरू की। 1995 में उन्हें सब-इंस्पेक्टर पद पर प्रमोट किया गया। 2010 में वह इंस्पेक्टर बने और 2017 में डीएसपी के पद पर प्रोन्नति हुई। 27 साल के कैरियर में संकीरेड्डी ने गोरखधंधा किया।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

वकीलों को सतर्कता बरतने की सूची में नहीं डाल सकते बैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि बैंक और भारतीय बैंक संघ केवल पेशेवर लापरवाही के आरोपों के आधार पर वकीलों को 'सतर्कता बरतने की सूची' में नहीं डाल सकते हैं। पीठ ने कहा कि अधिवक्ताओं को काली सूची में डालना बार काउंसिल के वैधानिक अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप के समान है। पीठ ने कहा, कानूनी पेशे की स्वतंत्रता न्यायपालिका की स्वतंत्रता जितनी ही महत्वपूर्ण है।

क्या है मामला

यह मामला केनरा बैंक द्वारा अधिवक्ता अजय विज को अपने पैनल से हटाने और उन्हें आईबीए की सतर्कता सूची में शामिल करने से जुड़ा है। बैंक का आरोप था कि वकील ने 2015 में दी गई कानूनी राय में लापरवाही बरती थी, जिससे उसे वित्तीय जोखिम का सामना करना पड़ा।

आंधी-तूफान व फॉल्ट आने पर घंटों बंद रहती है बिजली

कभी-कभार जरूरत पड़ने पर लगाए जाते हैं आउटसोर्स कर्मचारी

55 गांव, 213 किमी लंबी लाइन, 10 हजार बिजली उपभोक्ता और संभालने के लिए सिर्फ एक संविदा कर्मी

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर भले ही नक्सलवाद से मुक्त हो गया है, लेकिन यहां की व्यवस्था अभी पटरी पर नहीं आई है। यही वजह है कि अब भी मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित हैं। जिसकी बानगी बस्तर जिले के नानगुर विद्युत वितरण केंद्र की बदहाल व्यवस्था पेश करती है। इस विद्युत वितरण केंद्र (डीसी) के अंतर्गत आने वाले ▶▶|शेष पेज 6 पर

कार्यालय भवन जर्जर

नानगुर विद्युत वितरण केन्द्र (डीसी) कार्यालय भवन भी जर्जर होने है। बारिश का पानी कार्यालय के अंदर पहुंच रहा है। यहां पहुंचने वाले उपभोक्ताओं के बैठने तक के लिए जगह नहीं है। ग्रामीण उपभोक्ताओं ने विद्युत कंपनी के उच्चअधिकारियों से भवन की मरम्मत कराने की मांग की है।

यहां लाइनमैन नहीं

ग्रामीण इलाकों में बिजली से संबंधित तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए लाइनमेन तैनात किए जाते हैं। लेकिन इन 55 गांवों में कोई लाइनमेन भी नहीं है। बता दें कि नानगुर विद्युत वितरण केन्द्र में नानगुर, साड़गुड़, बड़े कवाली, छोटे ▶▶|शेष पेज 6 पर

पदस्थ किए जाएंगे कर्मी

विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत्त के अधीक्षण अभियंता केवी मैथ्यू ने बताया कि रिक्त पदों की जानकारी उच्च कार्यालय को भेजा जाता है। मुख्यालय की ओर से रिक्त पदों पर अधिकारी एवं कर्मचारियों को पदस्थ किया जाएगा।

चिंतन

ट्रंप का फीफा पर दबाव बनाना असामान्य कदम

पिछले करीब डेढ़ साल से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में टैरिफ, अर्थव्यवस्था, व्यापार, शांति, भू-राजनीति, सैन्य हस्तक्षेप और रणनीतिक दबाव से उथल-पुथल मचा रखी है। हाल का मामला इन सबसे अलग है। अब ट्रंप ने खेल के मैदान में भी एंट्री मारकर दुनियाभर के खेल संघों को चौंका दिया है। उन्होंने फीफा पर दबाव डालकर अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगा एक मैच का प्रतिबंध (निलंबन) रद्द करवा दिया। इसके लिए ट्रंप ने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो से व्यक्तिगत रूप से बात की। हालांकि अमेरिकी टीम को बेल्जियम ने 3-1 से करारी मात दी और वह क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई तक नहीं कर पाई। देखा जाए तो यह प्रकरण अपने आप में एक अजूबा है। सामान्यतः किसी भी देश के खिलाड़ी के लिए मैच में रेफरी का फैसला आने के बाद उसे चुनौती दी जाती है और फिर फीफा का निर्णायक मंडल पूरे मामले की समीक्षा कर अपना निर्णय देता है। स्थापित प्रक्रिया का यही उद्देश्य होता है कि खेल के नियम सभी टीमों और खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू हों तथा किसी भी तरह के राजनीतिक या बाहरी दबाव का प्रभाव निर्णयों पर न पड़े। यदि किसी शक्तिशाली देश का शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व सीधे हस्तक्षेप कर फैसले बदलवाने लगे तो खेलों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। ऐसा पहली बार है जब किसी देश के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से हस्तक्षेप कर अपने खिलाड़ी का निलंबन हटवाया है। फीफा ने भले ही इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताने का प्रयास किया हो, लेकिन दुनिया भर के खेल विशेषज्ञों और खेल संघों के बीच इस घटनाक्रम को लेकर असहजता दिखाई दी है। फीफा लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि वह राजनीति से स्वतंत्र संस्था है। कई देशों के फुटबॉल महासंघों पर सरकारी हस्तक्षेप के आरोप में प्रतिबंध तक लगाए जा चुके हैं। ऐसे में यदि किसी महाशक्ति के राष्ट्रपति के हस्तक्षेप को अलग नजरिए से देखा जाता है तो दोहरे मानदंडों की बहस तेज होना स्वाभाविक है। मैदान पर खिलाड़ी की पहचान उसके प्रदर्शन से होती है, न कि उसके देश की राजनीतिक ताकत से। यदि किसी खिलाड़ी को यह संदेश मिले कि राजनीतिक प्रभाव से खेल संबंधी फैसले बदले जा सकते हैं, तो इससे खेल भावना को आघात पहुंचेगा। हालांकि घटनाक्रम का खेल परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा। अमेरिका बेल्जियम से हार गया और बालोगुन का मैदान पर उतरना भी टीम को आगे नहीं ले जा सका। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि किसी भी खेल में अंतिम फैसला खिलाड़ियों का प्रदर्शन ही करता है, न कि राजनीतिक दबाव। जीत और हार खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं और इन्हें स्वीकार करना ही खेल भावना की असली पहचान है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब आने वाले वर्षों में अमेरिका कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने जा रहा है। विशेष रूप से लॉस एंजिल्स ओलंपिक को लेकर दुनिया की निगाहें अमेरिका पर टिकी हैं। ऐसे में यदि राजनीतिक हस्तक्षेप की धारणा मजबूत होती है तो अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं की निष्पक्षता और मेजबान देश की भूमिका दोनों पर सवाल उठ सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि सरकारें खेलों के विकास, खिलाड़ियों की सुविधाओं और खेल ढांचे को मजबूत करने तक अपनी भूमिका सीमित रखें तथा मैदान के फैसले खेल संस्थाओं और नियमों पर ही छोड़ दें। खेल तभी खेल बने रहेंगे, जब उन पर राजनीति की छाया हावी न हो।

मुद्दा
मममता कुशवाहा

खेल महाकुंभ की पर्यावरणीय चुनौती

> हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

फुटबॉल को दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल माना जाता है। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं, सपनों और उत्साह का प्रतीक है। विश्व कप जैसे आयोजनों के दौरान पूरा विश्व एक साझा उत्सव में डूब जाता है, लेकिन खेलों की चमक-दमक और उत्साह के पीछे एक ऐसा पक्ष भी छिपा है, जिस पर लंबे समय तक पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। यह पक्ष है पर्यावरण पर पड़ने वाला उसका प्रभाव। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

ऐसे समय में जब प्रत्येक क्षेत्र से पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा की जा रही है, तब खेल जगत भी इससे अछूता नहीं रह सकता। खेलों के विशाल आयोजन, जिनमें लाखों दर्शक और हजारों खिलाड़ी शामिल होते हैं, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन करते हैं। वर्ष 2026 का फीफा विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में चल रहा है। यह पहली बार होगा जब विश्व कप में 48 टीमें भाग लेंगी। पहले की तुलना में अधिक टीमें, अधिक मैच और अधिक शहर इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। कुल 16 शहरों में 104 मैच खेले जाएंगे। स्वाभाविक रूप से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, अधिकारियों, पत्रकारों और दर्शकों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करनी होगी। यही वह प्रमुख कारण है जिसके चलते कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि की आशंका व्यक्त की जा रही है।

कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत हवाई यात्रा होती है। विश्व कप जैसे आयोजनों में लाखों लोग विमानों के माध्यम से हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं। जब टीमें एक देश से दूसरे देश और एक शहर से दूसरे शहर जाती हैं, तब ईंधन की खपत और कार्बन उत्सर्जन तेजी से बढ़ता है। वर्ष 2026 के इस विश्व कप में तीन देशों के अनेक शहरों को मेजबानी दी गई है। इससे यात्राओं की दूरी और संख्या दोनों में वृद्धि होगी। यही कारण है कि शोधकर्ताओं का मानना है कि यह आयोजन पर्यावरणीय दृष्टि से अब तक का सबसे भारी विश्व कप साबित हो सकता है। दरअसल, खेल आयोजनों का पर्यावरणीय प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं होता। स्टेडियमों के निर्माण और रखरखाव में भी बड़ी मात्रा में ऊर्जा और संसाधनों का उपयोग किया जाता है। विशाल स्टेडियमों को रोशन करने, वातानुकूलित रखने, सुरक्षा व्यवस्था संचालित करने और प्रसारण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारी बिजली की आवश्यकता होती है। यदि यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त हो रही है, तो उसका सीधा संबंध कार्बन उत्सर्जन से जुड़ जाता है। आज खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। यह एक

विशाल वैश्विक उद्योग बन चुका है। अरबों डॉलर के निवेश, प्रायोजन और व्यावसायिक हित इसके साथ जुड़े हुए हैं। फुटबॉल क्लब, प्रसारण कंपनियां और बहुराष्ट्रीय कंपनियां खेल आयोजनों को एक बड़े आर्थिक अवसर के रूप में देखती हैं। जब आर्थिक लाभ पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर हावी होने लगता है, तब समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। यही चिंता शोधकर्ताओं ने भी व्यक्त की है कि फुटबॉल का बढ़ता व्यावसायीकरण और आयोजनों का निरंतर विस्तार पर्यावरण पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। आज कल जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेलों पर भी पड़ रहा है। बढ़ता तापमान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। कई देशों में अत्यधिक गर्मी के कारण मैचों का समय बदलना पड़ा है। कुछ स्थानों पर मौसम की अनिश्चितता के कारण प्रतियोगिताओं को स्थगित करना पड़ा। वर्षा, तूफान और गर्म हवाएं खेल आयोजनों के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। अर्थात जिस जलवायु संकट को खेल उद्योग अनजाने में बढ़ा रहा है, वही संकट अब खेलों के अस्तित्व के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। वैज्ञानिक आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बना देते हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्रांति से पहले यह स्तर लगभग 280 पीपीएम था, जबकि आज यह 430 पीपीएम से अधिक पहुंच चुका है। यह वृद्धि केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि पृथ्वी के बदलते पर्यावरण का संकेत है। बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रही है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता में वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक क्षेत्र को अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने की आवश्यकता है। फुटबॉल और अन्य खेल संगठनों ने हाल के वर्षों में पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं की घोषणाएं अवश्य की हैं। कई संगठनों ने कार्बन न्यूट्रल बनने, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने की योजनाएं प्रस्तुत की हैं। कुछ स्टेडियम सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कुछ स्थानों पर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। यदि आयोजन लगातार बड़े और अधिक विस्तृत होते जाएंगे, तो पर्यावरणीय लाभ सीमित रह जाएंगे। इस तरह भविष्य के खेल आयोजनों के लिए एक नई सोच की आवश्यकता है। आयोजकों को ऐसे मॉडल अपनाने होंगे जिनमें यात्रा की दूरी कम हो, स्थानीय संसाधनों का अधिक उपयोग हो और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दी जाए। दर्शकों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्टेडियमों के निर्माण में पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का प्रयोग बढ़ाना होगा। साथ ही आयोजनों के आकार और विस्तार को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि खेल जगत अपनी लोकप्रियता का उपयोग पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने के लिए करे। फुटबॉल खिलाड़ियों और खेल सितारों का प्रभाव करोड़ों लोगों पर पड़ता है। यदि वे जलवायु संरक्षण का संदेश देंगे, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद मिल सकती है। खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का शक्तिशाली साधन भी बन सकता है। फीफा विश्व कप 2026 को लेकर उठी कार्बन उत्सर्जन की चिंता हमें एक व्यापक सच्चाई की ओर संकेत करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि खेलों की चमक के साथ पर्यावरणीय चेतना का प्रकाश भी उतना ही प्रखर हो, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित पृथ्वी पर अपने सपनों का खेल खेल सकें।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन
सोनम लववंशी

मां की गोद से डे-केयर तक ... क्या सुरक्षित है बचपन

किसी भी समाज का भविष्य उसके संसद भवनों, शेयर बाज़ारों या कॉर्पोरेट टावरों में नहीं, उन नन्हें हाथों में पलता है जो अभी दुनिया पर भरोसा करना सीख रहे हैं। यही कारण है कि किसी राष्ट्र की सभ्यता का सबसे बड़ा पैमाना यह नहीं होता कि उसकी अर्थव्यवस्था कितनी तेज़ी से बढ़ रही है, बल्कि यह होता है कि उसके सबसे मासूम नागरिक कितने सुरक्षित हैं। जब दो-तीन वर्ष का एक बच्चा, जो बोलकर अपना दर्द भी बता नहीं सकता, उसी स्थान पर प्रताड़ित होने लगे जहां उसे सुरक्षा और स्नेह मिलना चाहिए, तब ये सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं रहती, पूरे समाज के नैतिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। बेंगलुरु के एक कॉर्पोरेट परिसर स्थित डे-केयर सेंटर से सामने आए कथित दुर्व्यवहार के वीडियो ने पूरे देश को झकझोर दिया है। वीडियो में छोटे बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद पुलिस ने कर्मचारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। बाल अधिकार संस्थाओं ने हस्तक्षेप किया और संबंधित डे-केयर केंद्र को बंद करना पड़ा। यह कार्रवाई आवश्यक थी, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि यदि यह वीडियो सामने नहीं आता, तो क्या उन बच्चों की पीड़ा कभी व्यवस्था तक पहुंच पाती? क्या हमारे संस्थागत तंत्र की संवेदनशीलता अब केवल वायरल वीडियो पर निर्भर हो गई है? भारत तेज़ी से बदल रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, महानगर फैल रहे हैं और लाखों महिलाएं कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसे में डे-केयर अब सुविधा नहीं, सामाजिक आवश्यकता बन चुका है। सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की बात करती है। कॉर्पोरेट जगत 'समावेशी कार्यस्थल' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' के दावे करता है। इस पूरे विमर्श में सबसे अहम सवाल अक्सर छूट जाता है कि जब माता-पिता कार्यस्थल पर होंगे, तब उनके छोटे बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 के तहत 50 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में क्रेच सुविधा का प्रावधान किया गया।

दूसरी ओर केंद्र सरकार पालना योजना के माध्यम से आंगनवाड़ी-सह-क्रेच व्यवस्था का विस्तार कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देशभर में 14,599 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच स्वीकृत किए जा चुके हैं और 2,448 क्रेच संचालित हैं। उद्देश्य स्पष्ट है कामकाजी महिलाओं को सहयोग और छोटे बच्चों को सुरक्षित देखभाल उपलब्ध कराना। लेकिन यहीं सबसे बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है। यदि योजनाएं हैं, कानून हैं और संस्थाएँ भी हैं, तो फिर अभिभावकों का भरोसा बार-बार क्यों टूट रहा है? इसका उत्तर केवल किसी एक कर्मचारी की क्रूरता में नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की कमजोरी में छिपा है जहां डे-केयर खोलना अपेक्षाकृत आसान है, पर उसकी गुणवत्ता, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, पुलिस सत्यापन और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था अब भी बिखरी हुई है। बच्चों की सुरक्षा केवल भवन, खिलौनों और रंगीन दीवारों से सुनिश्चित नहीं होती; वह प्रशिक्षित और संवेदनशील मानव संसाधन से सुनिश्चित होती है। यूनिसेफ और प्रारंभिक बाल विकास से जुड़े वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि जीवन के पहले पांच वर्ष बच्चे के मस्तिष्क और व्यक्तित्व के विकास के लिए सबसे निर्णायक होते हैं। इसी दौर में मिला प्रेम, सम्मान और सुरक्षा उसके पूरे जीवन की दिशा तय करते हैं। इसके विपरीत भय, अपमान और हिंसा उसके भावनात्मक विकास पर गहरा प्रभाव छोड़ सकते हैं। इसलिए डे-केयर केवल बच्चों को कुछ घंटों तक रखने की जगह नहीं होता यह भविष्य गढ़ने का स्थान है। यदि वही स्थान भय का पर्याय बन जाए, तो उसका नुकसान केवल एक परिवार नहीं, पूरा समाज उठाता है। बेंगलुरु की घटना को किसी एक शहर या एक कंपनी की समस्या मानकर भुला देना आसान होगा। कठिन काम यह स्वीकार करना है कि यह घटना हमारी नीतियों, हमारी निगरानी व्यवस्था और हमारी सामाजिक प्राथमिकताओं की कमियों को उजागर करती है। अंततः किसी भी राष्ट्र का भविष्य संसद की बहसों, आर्थिक सर्वेक्षणों या कॉर्पोरेट मुनाफ़ों में नहीं लिखा जाता। वह उन नन्हे कदमों में आकार लेता है जो अभी दुनिया पर भरोसा करना सीख रहे हैं। यदि हम उस भरोसे की रक्षा नहीं कर सके, तो इतिहास हमारी आर्थिक उपलब्धियों से अधिक हमारी नैतिक विफलताओं को याद रखेगा। क्योंकि किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी परीक्षा उसके बच्चों की मुस्कान होती है। यदि वही मुस्कान भय में बदल जाए, तो विकास की सबसे चमकदार इमारतें भी भीतर से खोखली साबित होती हैं।

(लेखिका शोधार्थी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राम सब घट मेरा साइयां

संकलित
दर्शन

पूरे संसार में राम का निवास है, सबमें भगवान हैं और हम उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में है। कबीर ने कहा है-'राम सब घट मेरा साइयां'... राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में हैं। सदा सर्वदा सबके हृदय में रहेंगे, लेकिन हमारे स्वार्थ, हमारे हेतु, हमारी मानसिकताओं के कारण कभी-कभी हम राम को साधन बना बैठते हैं। इसलिए हम राम को सही रूप में नहीं समझ पाते। प्रत्येक व्यक्ति में यदि हमें सिया राम के दर्शन होने लगें तो तमाम भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। जातीय आधार पर भेदभाव काफी हद तक कम हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इसके लिए धर्माचार्यों को आगे आना होगा। धार्मिक क्षेत्र हो, राजनीतिक या फिर सामाजिक क्षेत्र, अंतिम व्यक्ति पूज्य होना चाहिए। अगर अंतिम व्यक्ति आप तक नहीं पहुंच पा रहा है तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उस तक पहुंचें। भारतीय दर्शन में इहलोक और परलोक की बात आती है। इहलोक और परलोक का कल्याण करने की बात मेरी दृष्टि में इह यानी अपने संसार के साथ-साथ दूसरों का भी कल्याण हो, ऐसा प्रयास करना ही इहलोक और परलोक को सुधारना है। दूसरों के कल्याण की भावना का क्षेत्र बहुत व्यापक है। हम व्यापक व विराट की संतान हैं, इसलिए दूसरों के कल्याण का भारतीय सोच पूरे विश्व के कल्याण का सोच है। जब हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, तो दुनिया के सभी देशों के कल्याण की बात करते हैं।

मानवता भीतर के संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुऐ रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहां मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लड़के ने इंकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। गंभीर परिणाम भुगतने पढ़ेंगे। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहा- साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टी.एन. शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

अंतर्मन

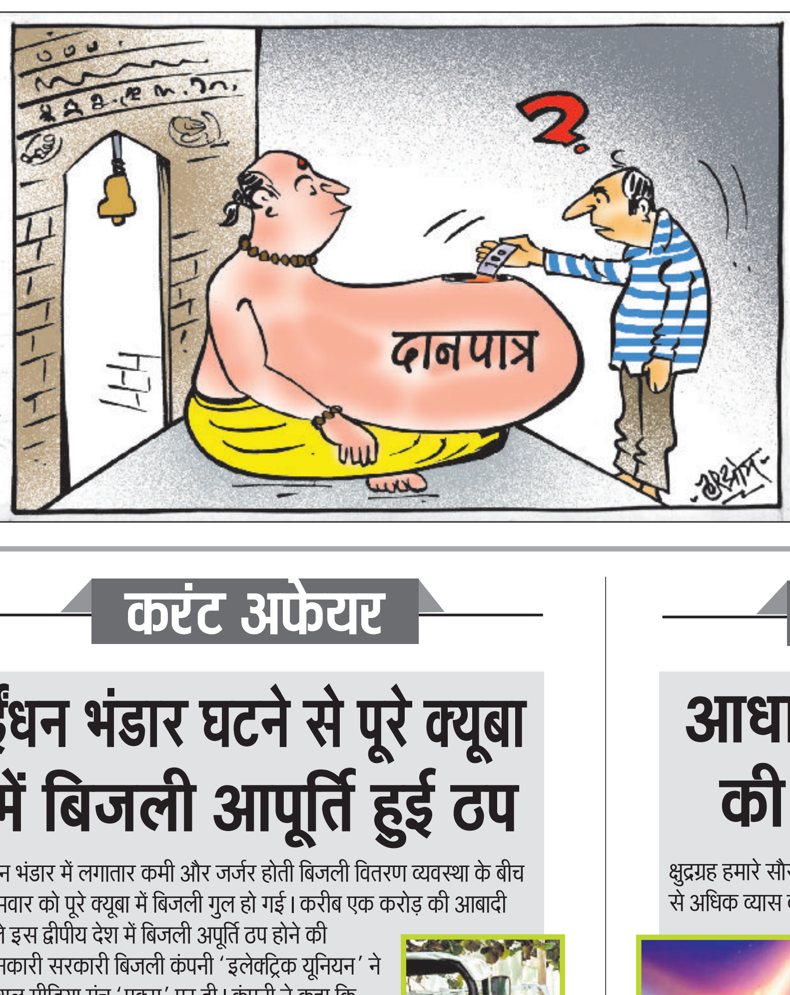

आज की पाती

डिजिटल तकनीक का करें सही उपयोग

आज बच्चों के सामने सबसे बड़ा खतरा केवल इंटरनेट का बढ़ता उपयोग नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित और असुरक्षित उपयोग है। डिजिटल तकनीक ने शिक्षा, ज्ञान और संवाद के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही बच्चों का बचपन साइबर खतरों की गिरफ्त में आता जा रहा है। मोबाइल स्क्रीन पर बीतने वाला बढ़ता समय उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है। डिजिटल युग से बच्चों को दूर रखना समाधान नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरकार, तकनीकी कंपनियां, विद्यालय, अभिभावक और समाज यदि मिलकर प्रयास करें, तो ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जहां बच्चे इंटरनेट के उपभोक्ता नहीं, बल्कि सुरक्षित, जागरूक, सम्मानित और सशक्त नागरिक बनकर देश के भविष्य को नई दिशा दें।

– विजय देशमुख, दुर्ग

करंट अफेयर

ईंधन भंडार घटने से पूरे क्यूबा में बिजली आपूर्ति हुई ठप

ईंधन भंडार में लगातार कमी और जर्जर होती बिजली वितरण व्यवस्था के बीच सोमवार को पूरे क्यूबा में बिजली गुल हो गई। करीब एक करोड़ की आबादी वाले इस द्वीपीय देश में बिजली अपूर्ति ठप होने की जानकारी सरकारी बिजली कंपनी 'इलेक्ट्रिक यूनियन' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दी। कंपनी ने कहा कि बिजली बाधित होने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय ने बताया कि बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। क्यूबा में इस वर्ष जनवरी से ही ईंधन का गंभीर संकट बना हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्यूबा को तेल बेचने वाले या उसकी आपूर्ति करने वाले देशों पर शुल्क लगाने की चेतावनी दिए जाने के बाद से देश का आर्थिक और वित्तीय संकट और गहरा गया है। ईंधन संकट के कारण सार्वजनिक परिवहन लगभग ठप हो गया है, वहीं अस्पतालों में हजारों निर्धारित सर्जरी भी रद्द करनी पड़ी हैं। ऊर्जा मंत्री विसेंटे दे ला ओ लेवी ने बताया कि बिजली गुल होने के कुछ ही घंटों बाद देशभर में छोटे-छोटे विद्युत तंत्र (माइक्रोसिस्टम) चालू कर दिए गए थे। उन्होंने कहा, 'हम जटिल स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो हमारे ऊपर लगाए गए ऊर्जा प्रतिबंधों के कारण और गंभीर हो गई है।

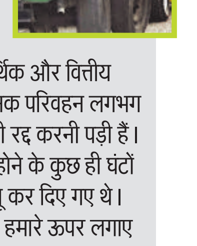

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं – लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है – एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा – 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

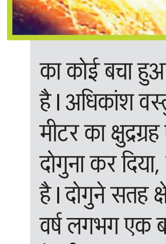

ट्रेंड

सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पीएम मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाना गर्व की बात है। यह भारत और इंडोनेशिया के बीच गहरी दोस्ती और दुनिया में भारत के बढ़ते सम्मान का एक और प्रमाण है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय बाल विकास मंत्री

जनता को विकल्प दें

मोदी जी कृपया जनता को विकल्प दें। देश के हर पेट्रोल पंप पर ई10, ई20 और ई0 उपलब्ध होने चाहिए। यह फैसला जनता का होना चाहिए कि वे अपनी गाड़ी में कौन सा पेट्रोल डलवाना चाहते हैं, सरकार का नहीं।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

जवाबदेही तय नहीं

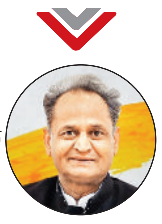

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मुद्दा देशभर के गांवों तक पहुंच गया है और इसे लेकर सभी लोगों में व्यापक आक्रोश है। भाजपा-आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने मिलकर एकतरफा तरीके से मंदिर ट्रस्ट का गठन किया, लेकिन किसी की भी जवाबदेही तय नहीं की गई।
- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

तेल कंपनियों को लाभ

दुनिया भर में कच्चे तेल के दाम गिरने से पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी कमी आई है और दूसरे देशों की जनता को तेल के घटे दामों के रूप में लाभ मिला है लेकिन इसके विपरीत भारत में भाजपा सरकार दाम नहीं घटा रही है और सरकार कंपनियों को लगातार फायदा पहुंचाने में लगी है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ईरान का हमला शुरू

मातम के बीच होर्मुज में धमाके, ईरान ने दो जहाजों पर दागी मिसाइलें, अमेरिका भड़का

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन/तेहरान

ईरान में जहां एक ओर दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह का मातम छाया हुआ है वहीं होर्मुज में फिर से मिसाइलों के धमाके गूंजने लगे हैं जिससे पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव गहरा गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, सोमवार रात ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों ने इस जलमार्ग से गुजर रहे दो वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया। यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज क्षेत्र में हमलों को रोकने के लिए लागू एक सप्ताह का अस्थायी समझौता समाप्त हो चुका है। इस घटनाक्रम के बाद अमरीका भड़क गया है और उसने ईरान पर समझौता करने अन्यथा सब कुछ खत्म करने की धमकी दे दी है।

वार्ता बेनतीजा रहने के बाद बढ़ी चिंता

हमले से कुछ दिन पहले कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत हुई थी। दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने और समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई, लेकिन कोई ठोस समझौता सामने नहीं आया। अब ताजा घटनाक्रम के बाद इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ने और कूटनीतिक प्रयासों के कमजोर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

अमरीका समझौता करेगा या फिर काम तमाम : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अमेरिका या तो ईरान के साथ कोई समझौता करेगा या फिर 'काम तमाम' कर देगा। ट्रंप ने कहा काम तमाम करना कोई मुश्किल काम नहीं होगा यह सिर्फ एक घंटे का होगा लेकिन मैं समझौता करना ज्यादा पसंद करूंगा, क्योंकि मैं नौ करोड़ 10 लाख लोगों (ईरान की आबादी) को प्रभावित नहीं करना चाहता। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना अभियान के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। बातचीत अगर विफल रहती है तो वह सैन्य अभियानों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अमेरिका ने लगाया हमला करने का आरोप

अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि दोनों कारोबारी जहाजों पर ईरानी मिसाइलों से हमला किया गया, जिससे उन्हें गंभीर नुकसान पहुंचा। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार, दोनों जहाजों पर सवार चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह घटना अमेरिका और ईरान के बीच कुछ सप्ताह पहले हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर भी सवाल खड़े करती है और इससे दोनों देशों के बीच तनाव फिर बढ़ सकता है।

कतर के एलएनजी टैंकर का नाम भी सामने आया

घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय मीडिया में ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि हमले का शिकार हुए जहाजों में कतर का एलएनजी टैंकर 'अल रेकय्यात' भी शामिल हो सकता है। यह जहाज कतर की प्रमुख एलएनजी शिपिंग कंपनी नाकिलात का है। हालांकि संबंधित कंपनी या कतर सरकार की ओर से इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बलूचिस्तान में हुई वारदात के बाद हालात गंभीर

पाक में आतंकी हमला नौ पुलिसकर्मियों की मौत

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने मंगलवार को एक बांध परियोजना के चेकपोस्ट पर हमला कर नौ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी। इस हमले के बाद कई अन्य लापता हैं। एक वरिष्ठ जिला अधिकारी अब्दुल कुदूस ने बताया कि 'मंगी बांध परियोजना की रखवाली कर रहे एक चेकपोस्ट पर हुए हमले में कई पुलिस थानों के वरिष्ठ अधिकारी मृतकों में शामिल हैं। उन्होंने इस हमले के लिए इस्लामी आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और लापता पुलिसकर्मियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

पाक ने कहा- सीमा पार से हो रहे हमले- इधर, इस्लामाबाद का कहना है कि ये हमले अफगानिस्तान से होते हैं, जहां के अधिकारी लगातार किसी भी संलिप्तता से इन्कार करते रहे हैं। पाकिस्तान ने हाल के महीनों में अफगान क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान का कहना है कि ये हमले आतंकवादियों को निशाना बनाते हैं, लेकिन तालिबान सरकार का कहना है कि इन हमलों में दर्जनों नागरिक मारे गए हैं।

बलूचिस्तान ने कहा- जवाबी कार्रवाई और संघर्ष

बलूचिस्तान की सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि अर्धसैनिक बल, पुलिस और आतंकवाद विरोधी कर्मियों ने आतंकवादियों के खिलाफ 'संयुक्त अभियान सफलतापूर्वक चलाए हैं'। पाकिस्तान वर्षों से बलूचिस्तान में अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है।यहां आतंकवादी राज्य बलों और विदेशी निवेश तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं।

10 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, दो गिरफ्तार

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में पुलिस ने मंगलवार को करीब 10 करोड़ रुपए कीमत की 3.87 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। ऑपरेशन प्रहार-2 के तहत कार्रवाई करते हुए गूढ़ थाना क्षेत्र की लाल गांव चौकी क्षेत्र के सोनबरसा गांव में पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

केंद्र सरकार ने नहीं जताई आपत्ति

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट होगा बहाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के एक्स अकाउंट को बहाल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने यह आदेश तब दिया, जब केंद्र सरकार ने स्वीकार किया कि उसे इस पर कोई आपत्ति नहीं है और खाते को बहाल किया जा सकता है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि खाता अनब्लॉक किया जा सकता है।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाया था, जिसे जबरदस्त कामयाबी मिली। इसके एक्स पर लाखों फॉलोवर्स हैं और इंस्टाग्राम पर भाजपा-कांग्रेस के फॉलोवर्स का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 3 करोड़ से अधिक फॉलोवर्स बना लिए थे। इसके बाद सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों का हवाला देते इसे प्रतिबंधित कर दिया था। पिछली बार 29 मई को सुनवाई में कोर्ट ने अकाउंट को तुरंत बहाली से इनकार कर दिया था और केंद्र से जवाब मांगा था।

केंद्र ने कहा- हमें दिक्कत नहीं, लोग सतर्क रहें

कोर्ट में पेश मेहता ने कहा कि यह अकाउंट राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित किया गया था। मेहता ने कहा, इसे उस समय ब्लॉक किया गया जब नीट परीक्षा होने वाली थी। लाखों छात्र परीक्षा में बैठने वाले थे। कई पोस्ट थीं, जिनसे छात्रों और अभिभावकों के बीच अफरा-तफरी मच सकती थी। अब परीक्षा समाप्त हो चुकी है। मेहता ने कहा, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मैं कहना चाहता हूं सभी लोग सतर्क रहें।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीय कानून से ऊपर नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के असहयोगात्मक रवैये पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए कहा कि बहुराष्ट्रीय डिजिटल मंच भारतीय कानून और जांच एजेंसियों के प्रति जवाबदेही से बच नहीं सकते। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय कानून का दायरा इतना व्यापक है कि वह किसी भी उल्लंघन तक पहुंच सकता है और दोषियों को न्याय के कटघरे में ला सकता है। यह टिप्पणी जस्टिस अजय भनोट और जस्टिस दिवेश चंद्र समंत की खंडपीठ ने एक साइबर अपराध मामले की सुनवाई के दौरान की। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त 2026 को उपयुक्त पीठ के समक्ष होगी। साथ ही अदालत ने अपने आदेश की प्रति उत्तर प्रदेश सरकार के गृह सचिव और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को तत्काल भेजने का भी निर्देश दिया।

एक्स की कार्यशैली पर जताई सख्त नाराजगी

कोर्ट ने कहा- कानून के हाथ बहुत लंबे हैं

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अधिकारियों का पुलिस जांच में सहयोग न करना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया मंच भारतीय कानूनों और कानून के तहत कार्य कर रही जांच एजेंसियों के प्रति जवाबदेही से मुक्त नहीं हैं। भारतीय कानून के हाथ इतने लंबे हैं कि वे किसी भी उल्लंघन तक पहुंच सकते हैं और इतने मजबूत हैं कि

जांच में सहयोग नहीं मिलने से रुकी कार्रवाई

मामले में जांच अधिकारी ने अदालत में दाखिल हलफनामे में बताया कि 'एक्स' ने उस खाते का यूआरएल पहचान विवरण और आईपी पता उपलब्ध नहीं कराया, जिससे याचिकाकर्ता के कथित अश्लील वीडियो और तस्वीरें साझा की गई थीं। जांच अधिकारी ने कहा कि इस असहयोग के कारण वह मामले में आगे बढ़ने में असमर्थ हैं और जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है।

पुलिस और एक्स का रवैया जिम्मेदार पूर्ण नहीं : कोर्ट

इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि पहली नजर में यह हलफनामा "पुलिस व्यवस्था की विफलता स्वीकार करने" जैसा प्रतीत होता है। अदालत ने यह भी कहा कि एक ओर 'एक्स' के जिम्मेदार अधिकारियों ने जांच में बाधा उत्पन्न की, वहीं दूसरी ओर पुलिस ने भी अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वहन नहीं किया। दोनों का यह रवैया अंततः आरोपियों को कानून से बच निकलने का अवसर देगा। बाद में राज्य सरकार की ओर से अदालत को आश्वासन दिया गया था कि एक महीने के भीतर जांच पूरी करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। लेकिन 2 जुलाई 2026 को सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि 'एक्स' के वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग न करने के कारण जांच लगभग ठप हो गई।

यौन सामग्री प्रसारित करने से जुड़ा है मामला

याचिकाकर्ता मिथिलेश कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गाजियाबाद पुलिस आयुक्त को निर्देश देने की मांग की कि उनकी एफआईआर की निष्पक्ष, प्रभावी और शीघ्र जांच पूरी कराई जाए। यह एफआईआर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से यौन रूप से स्पष्ट सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से संबंधित है। एफआईआर दर्ज होने के साढ़े चार महीने बाद भी जांच पूरी नहीं हुई। इस पर अदालत ने पूर्व में भी नाराज़गी जताते हुए कहा था कि समझ से परे है कि आखिर किस आधार पर जांच साढ़े चार महीने से अधिक समय तक लंबित रखी गई।

अवैध रूप से भारत में रह रही यूक्रेनी महिला गिरफ्तार

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा के पास यूक्रेन की एक महिला को वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से यहां रहने और पड़ोसी मुल्क में अवैध तरीके से घुसने की कोशिश करने के आरोप में सशस्त्र सीमा बल और पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि महिला के खिलाफ भारत-नेपाल सीमा के निकट स्थित हरपुर थाने में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला की पहचान ओक्साना शेवत्सोवा के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान महिला भारत में वैध रूप से रहने से संबंधित कोई यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। और बाद में उसने अपने मोबाइल फोन में पासपोर्ट और वीजा की प्रतियां दिखाईं। सिद्धू ने बताया कि जांच में पता चला कि उसका वीजा वर्ष 2022 में ही समाप्त हो चुका था। महिला के पास से एक मोबाइल फोन, एक ईयरबड और 7,330 रुपये की भारतीय मुद्रा बरामद की गई है।

गौ सेवा गतिविधि
बैंक हाउस कॉलोनी, सिविल कोर्ट कंपाउंड खंदारी, 7, आगरा, उत्तर प्रदेश-282002

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गौ सेवा गतिविधि में वर्तमान समय में किसी भी प्रकार की मीडिया सेल, मीडिया प्रभारी, मीडिया समन्वयक अथवा मीडिया से संबंधित कोई भी पद स्वीकृत अथवा संचालित नहीं है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाता है कि गौ सेवा गतिविधि में गौ संरक्षण, गौ संवर्धन एवं प्राकृतिक खेती के विषय पर कार्य करती है। संस्थान में मीडिया संबंधी किसी भी प्रकार का कोई प्रभार निर्धारित नहीं किया गया है तथा किसी भी व्यक्ति की मीडिया प्रभारी, मीडिया प्रतिनिधि, मीडिया समन्वयक अथवा मीडिया सेल के किसी पद पर कोई नियुक्ति नहीं की गई है।
अतः यदि कोई व्यक्ति स्वयं को गौ सेवा गतिविधि (क्षेत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश) का मीडिया प्रभारी, मीडिया प्रतिनिधि, मीडिया सेल का सदस्य अथवा अधिकृत मीडिया कर्मी बताता है, तो उसका ऐसा दावा पूर्णतः असत्य, भ्रामक एवं अनधिकृत माना जाएगा। ऐसे किसी भी व्यक्ति का गौ सेवा गतिविधि से इस संबंध में कोई अधिकृत संबंध नहीं है। यदि कोई व्यक्ति गौ सेवा गतिविधि के नाम, पद अथवा अधिकार का दुरुपयोग करते हुए स्वयं को अधिकृत मीडिया प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करता है, तो उसके विरुद्ध प्रचलित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी। ऐसे व्यक्तियों को फर्जी एवं अनधिकृत मानते हुए संबंधित सक्षम अधिकारियों को सूचित किया जाएगा। अतः सभी संबंधित व्यक्तियों, संस्थाओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि गौ सेवा गतिविधि से संबंधित किसी भी सूचना या अधिकृत जानकारी के लिए केवल संस्थान के अधिकृत प्रशासनिक कार्यालय से ही संपर्क करें।
हरीशंकर शर्मा, क्षेत्र संयोजक पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र, गौ सेवा गतिविधि, मो. 9359909574

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031
NAAC A

सीयूईटी 2026 के अंतर्गत स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण आरंभ

शैक्षणिक सत्रः 2026-27

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ निम्नलिखित कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी (यूजी) -2026 परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म आमंत्रित करता हैः

स्नातक (यूजी) कार्यक्रम			
बी.वॉक.	• रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट • बायोमेडिकल साइंसेज • इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट	इंटीग्रेटेड कार्यक्रम	• बी.एससी. एम.एससी. इन केमेस्ट्री • बी.एससी.एम.एससी. इन मैथेमेटिक्स • बी.एससी. एम.एससी. इन फिजिक्स
• बी.एससी. (ऑनर्स) इन साइकोलॉजी			

महत्त्वपूर्ण तिथि

ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	17 जुलाई, 2026
पंजीकरण लिंक	https://cuhcuet.samarth.edu.in/

विस्तृत विवरण के लिए www.cuh.ac.in देखें। कुलसचिव

सीरियल ब्लास्ट के 38 दोषियों की फांसी और 11 की उम्रकैद की सजा बरकरार

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने वर्ष 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में विशेष अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए 38 दोषियों को सुनाई गई फांसी की सजा और 11 दोषियों को दी गई आजीवन कारावास की सजा को कायम रखा है। इस श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए। इससे पहले वर्ष 2022 में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा की पुष्टि करने का अनुरोध किया गया।विशेष अदालत ने वर्ष 2022 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) और भारतीय दंड संहिता की धारा 302 सहित विभिन्न प्रावधानों के तहत 49 दोषियों में से 38 को फांसी की सजा सुनाई। शेष 11 दोषियों को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा दी गई।

विशेष अदालत ने दिया यह भी आदेश

विशेष अदालत ने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये और सामान्य रूप से घायल लोगों को 25-25 हजार रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। साथ ही दोषियों पर जुर्माना भी लगाया गया। विशेष अदालत ने 8 फरवरी 2022 को कुल 78 आरोपियों में से 49 को दोषी ठहराया था।

आरोपी पढ़े-लिखे और दक्ष थे : हाईकोर्ट

अपने फैसले में विशेष अदालत ने कहा था कि सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि आरोपी अत्यधिक शिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष थे। इनमें कुछ डॉक्टर, प्रोफेसर और कंप्यूटर विशेषज्ञ भी थे। अदालत ने कहा कि इन आरोपियों से अपराध की जड़ तक पहुंचने वाली जानकारी हासिल करना बेहद कठिन था लेकिन जांच अधिकारियों ने व्यापक साक्ष्य एकत्र किए, जो निर्णय का महत्वपूर्ण आधार बने।

लोक नाट्य

डा. प्रमिला काले

प्रयोगवादी नाटकों के लेखक डा. शंकर शेष

छत्तीसगढ़ी और हिन्दी में नाट्य लेखन के लिए डा. शंकर शेष का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। प्रसाद युग के पश्चात नाटकों की संक्रमणकालीन स्थिति में एक लम्बा अंतराल आता है, जिसमें नाटक का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इस जड़ता और सन्नाटे को डा. शंकर शेष ने प्रयोग के नाम पर कथ्य, शिल्प, भाषा, चरित्र मंच आदि सभी में परिवर्तन किए। भाषा प्रयोग के साथ डा. शेष के नाटक मंच सज्जा, नाटक के दृश्य को उभारकर जहां पर्यावरण की पृष्ठभूमि को प्रदर्शित करती है, वहीं प्रतीकों के माध्यम से कथानक और घटनाओं को उद्दीप्त भी करती है। डा. शेष के प्रारंभिक नाटक प्रसाद प्रभावित हैं, इसलिए उसमें भाषा की प्रांजलता निहित है। इसके विपरीत उनके नाटकों में क्रमशः जैसे जैसे रंगमंचीय आशक्ति बढ़ती गई वैसे वैसे उनकी नाटकों की भाषा जनमन रंजनकारी कहावतों, मुहावरों से युक्त सांकेतिक पात्रों और भावनाओं के अनुकूल एवं हरकत के साथ जुड़कर संम्प्रेषनीयता से महिमामंडित हुई।

गांव की कहानी

डा. देवधर महंत

पिण्डारियों के नाम पर बना पेंड्रा

न्यायधानी बिलासपुर से उत्तर की ओर 100 कि मी दूरी पर पेंड्रा स्थित है। बिलासपुर से कटनी रेल मार्ग में पेंड्रा रोड स्टेशन है, जो दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के अंतर्गत आता है और देश के प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। गौरेला (पेंड्रा रोड) पेंड्रा ट्विनसिटी है। जिन 36 गढ़ो के कारण छत्तीसगढ़ नामकरण हुआ, उनमें पेंड्रागढ़ भी एक है। मराठा काल में पेंड्रा पिण्डारियों का केंद्र था। इसी कारण इस क्षेत्र को पिंडारा कहा जाता था, जो कालांतर में पेंड्रा हो गया। यह स्थान पुण्य सलिला नर्मदा नदी के उदगम स्थल अमरकंटक का प्रवेश द्वार था, जहां से इनकी दूरी 45 कि मी है। पेंड्रा सिवनी मार्ग पर 23 कि मी दूरी पर ग्राम धनपुर स्थित है, जो पांडवों की नगरी कहलाता है। यहां की पहाड़ी पर पांडव गुफा विद्यमान है। जनश्रुति है कि अपने अज्ञातकाल के दौरान पांडव यहां रुके थे।

लोक साहित्य

डा. आभा तिवारी

छतीसगढ़ी कथा साहित्य में युग चेतना

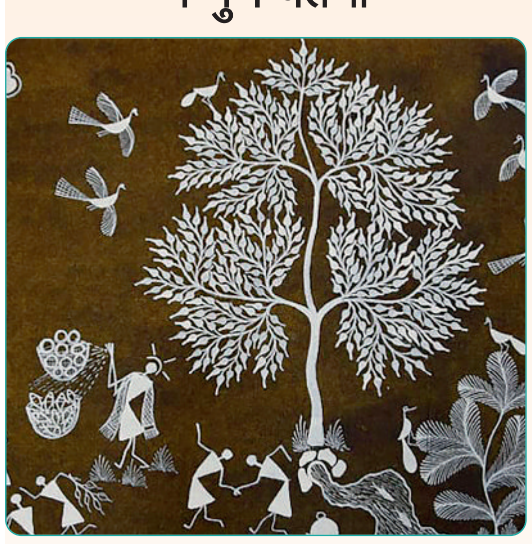

छत्तीसगढ़ की भूमि जहां लव कुश की जन्मभूमि है वहां साहित्य जगत को विशेषतः छायावाद को प्रथम कवि और लेखक देने का गौरव प्राप्त है। हिन्दी की पहली कहानी ' एक टोकरी भर मिट्टी ' माधवराव सप्रे की 1909 में छत्तीसगढ़ मित्र में प्रकाशित का जन्म भी इसी भूमि में हुआ है। इसी तरह शिवशंकर शुक्ल का उपन्यास मोंगरा, कपिलनाथ कश्यप की कहानी इष्ट के कांटा, लखनलाल गुप्त की कहानी भईगे नई तो, केयूर भूषण की कहानी गांव गे हे नवा बहुरिया, अशोक सिंह ठाकुर का उपन्यास दिन बहुरिस ने यहां के जनजीवन को प्रभावित करने वाले समस्याओं को रेखांकित किया है। इस तरह अनेक कथाकार उन तमाम रूढ़ियों का विरोध करता दिखाई देता है जो समाज के साथ विकास में बाधक है। भूखे मजदूर, किसान, खंडित प्यार, शोषण, अत्याचार, बिखरते असंतुष्ट परिवार, तथा आदर्श हीन होता सामाजिक व्यवस्था आज कथा के लिए विषय के रूप में हमारे सामने है इसका समाधान भी उतना ही उतना ही जरुरी है। उपरोक्त इन कथाकारों ने विभिन्न समस्याओं के चित्रण के साथ समाधान भी प्रस्तुत करने का प्रयास किया है जो निश्चित ही स्तुत्य है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

गायन के लिए उपयोग में आता है चेहरे पाटा

कला जगत

स्वाति आनंद

बस्तर की संस्कृति में पाटा का अर्थ गीत या गायन से होता है। उमरिया मारिया सभ्यता में मंडप के नीचे मनोरंजन में गाया जाने वाला यह लोकप्रिय गीत होता है। इसी के साथ हंसी मजाक और एक दूसरे के साथ छेड़छाड़ करने वाले इस गीत को पासके पाटा भी कहा जाता है इस नृत्य में वृद्ध से लेकर बच्चों तक सभी सम्मिलित हो सकते हैं। इस नृत्य में पुरुष नर्तक के कंधे पर एक चेहरा लकड़ी का बना होता है, इसमें एक तीन या पांच तक की लकड़ी जिनमें चिड़िया बनी होती है। इसका संबंध धागे से रहता है जो एक बांस के पटरी से बंधा होता है।

इस पटरी को डंडे से रगड़ने पर चिड़िया के पंख ऊपर नीचे होता है और चट चट की ध्वनि निकलती है। स्त्री नर्तक चिटकुल यानी मंजीरा के साथ नृत्य करने में सम्मिलित होती है कभी कभी चेहेरे नृत्य को माओ पाटा या कोला पाटा नृत्य के साथ भी सम्मिलित कर दिया जाता है। इसी तरह चेर तांग पाटा पूस महीने में डंडार गीतों के समय गया जाता है। यहां पर गीत गाते समय अपने हाथों से पकड़े हुए डंडे को जमीन पर मारा जाता है इसमें लकड़ी फटी होने के कारण धरती से टकराने पर यह कंपन से एक अलग प्रकार की ध्वनि उत्पन्न करती है जिसमें एक उसका निकलती है। चेरतांग के लिए प्रत्येक गांव के लड़के लड़की लगभग 6 से 7 दिनों तक अपने गांव से निकल पड़ते हैं उनके हाथ पर डंडे और सर पर श्रृंगार से बंधे हुए अलग-अलग पक्षियों के पंख होते हैं श्रृंगार में कई प्रकार की चिड़ियों के पंख को वह अपने सिर पर कलगी के रूप में धारण करते हैं। गांव में घरों के सामने दरवाजे पर जाकर डेरा डालकर यह गीत उत्सव के रूप में गाया जाता है।

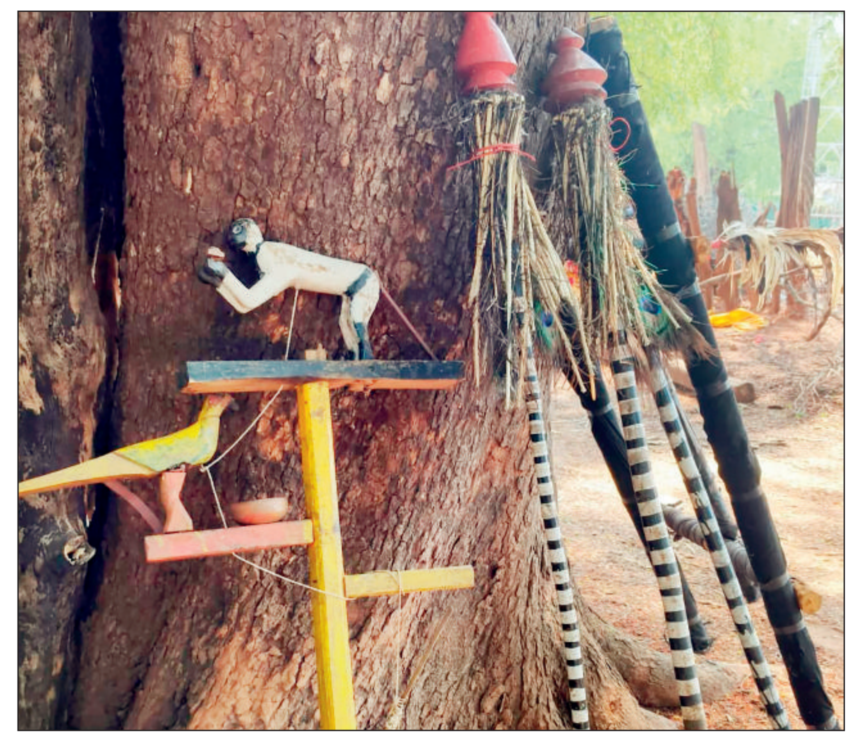

संस्कृतिः बद्री प्रसाद पारकर

शीतलता खातिर मनाय जाथे जुड़वास

छत्तीसगढ़ के संस्कृति में जुड़वास तिहार मनाय के जुन्ना परंपरा हे। जुड़वास यानि ठण्डकता अउ शीतला यानि शांत स्वभाव इही दुनों के प्रभाव आए जुड़वास। गांव मे एकरे सेती माता शीतला मंदिर देखे जाथे। पहिली गर्मी के निकलती अउ बरसात के शुरुआत म आलस माता, छोटे माता अउ बड़े माता के प्रकोप ह महामारी के रूप लेवत रिहिस। माता के विकराल रूप के प्रभाव चेचक या माता के रूप म पीड़ति व्यक्ति म दिखे। इही प्रभाव ल रोके खातिर माता शीतला मंदिर में बैगा के माध्यम ले तेल संग हरदी चढ़ा के पूजा अर्चना करे जाथे। पहिली ले चलत आत ए प्रथा के चलन गांव देहात म आजो देखे ल मिल जाथे। ए बात अलग हे कि जागरूकता के सेती चेचक के टीका लगे ले अब ए बीमारी लोगन म नहीं के बराबर देखे ल मिलथे। इही कारण आए आजकल जुड़वास तिहार के महत्ता अब कम होवत हे। पहिली के तुलना में आजकल ए तिहार के सरूप म घलो बदलाव देखे जात हे।

सुरता

चिंताराम सिन्हा ' पुजारी

मूर्ति और चित्रकार के रूप में छाप छोड़ गए चक्रधारी

धमतरी जिले के महानदी के तट पर एक छोटे से ग्राम डाभा में 1935 को छबिलाल चक्रधारी का जन्म हुआ। आपको चित्रकला और मूर्तिकला के प्रति लगाव विरासत में मिली। कागजों में महीन चित्रकारी करने के लिए विशेष रूप से जाने जाते थे। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से चित्रकला में डिग्री हासिल की। आपने बालोद, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव और महासमुंद के साथ ही छत्तीसगढ़ के कोने कोने से रामलीला मंडली के पर्दे पर आकर्षक चित्रकारी कराने आपके पास आते थे। मिट्टी, पत्थर, काष्ठ, प्लास्टर ऑफ पेरिस, फाइबर तथा ग्लास में जीवंत स्वरुप निर्माण करते थे। मुंबई, भोपाल, रायपुर, राजस्थान और दिल्ली के साथ ही देश के कई हिस्सों में आपकी कला की प्रदर्शनी लग चुकी है। आपके कला कृति की मांग हमेशा बनी रहती थी। आप छत्तीसगढ़ शासन के अलावा अनेक संस्थाओं से सम्मानित हुए थे। अपने क्षेत्र मगरलोड में साहड़ा देव मूर्ति को मूर्त रूप दे रहे थे तभी ह्रदयाघात से 2003 में आपकी मृत्यु हो गई।

शैलचित्रः डा. आशीषधर दीवान

प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्र बसनाझर में

प्रागैतिहासिक यायावर आदिम शैलचित्र बसनाझर रायगढ़ जिले के सिंघनपुर से आठ कि मी दूरी पर दक्षिण की ओर अर्धचंद्राकार आकृति में फैली बम्हनीन पहाड़ी पर दो हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां शैलाश्रय में देवोपासना के दृश्य अंकित हैं। शैलाश्रय में शिकार के दृश्य की जगह मांसल पशुओं का विस्तार है। एक वाइसन का सुन्दर और आकर्षक चित्र है, चित्र के साथ एक मानवाकृति को उसकी पृष्ठभूमि पर चित्रित किया गया है। इसके साथ ही हिरण, वराह, गोह, हाथी, रीछ और बंदरनुमा आकृति भी चित्रित है। यहां सर्वाधिक ध्यान खींचने वाला चित्र देवोपासना का है। इसमें प्रारंभिक कृषक और पशुपालन के अनेक जीवंत चित्र भी दर्शनीय हैं। पशु पक्षियों के अंकन में गतिशीलता झलकती है। मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं का चित्रण यहां इतिहास के पन्नों को उजागर करते दिखाई दे रहे हैं।

मर्सिडीज-बेंज ने पहली छमाही में रिकॉर्ड 9,768 वाहन बेचे

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने भारत में कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में अब तक की सबसे अधिक 9,768 वाहनों की बिक्री दर्ज की है। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नौ प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी की इकाई मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अप्रैल-जून, 2026 की तिमाही में 4,637 वाहन बेचने के साथ ही रिकॉर्ड प्रदर्शन किया, जो इससे पिछले साल समान अवधि में बेची गईं 4,238 कार की बिक्री से 10 प्रतिशत अधिक है।

कई शहरों में खाली होने लगे एटीएम, कैश की किल्लत पर आरबीआई सख्त

कई शहरों में लोगों को 2 से 3 महीनों से एटीएम से कैश नहीं मिल रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आज के समय में बैंक से जुड़े कई काम पहले के मुकाबले अब बहुत ही आसानी से हो जाते हैं, जहां पहले लंबी-लंबी लाइनों में लगकर लोग बैंक से पैसे निकाल पाते थे तो अब वहीं घर के आसपास मौजूद एटीएम से आसानी से कैश निकाला जा सकता है।

लेकिन अभी कुछ समय से देश के कई शहरों के एटीएम खाली मिलने की शिकायत सामने आ रही हैं। कई शहरों में लोगों को पिछले लगभग 2 से 3 महीनों से एटीएम से कैश नहीं मिल रहा है, जिसकी लगातार शिकायत भी की जा रही है। बढ़ती शिकायतों के बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। दूसरी ओर, बैंकर्स का कहना है कि शाखाओं में बनाए रखे जाने वाले कैश इन्वेंट्री के आंकड़े भ्रामक हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इन आंकड़ों में मैले, कटे-फटे और अनुपयुक्त नोट भी शामिल होते हैं, जिन्हें तुरंत एटीएम में लोड नहीं किया जा सकता। ऐसे में एटीएम के लिए उपलब्ध उपयुक्त करेंसी का वास्तविक स्टॉक, कुल दिखने वाले आंकड़ों से काफी कम हो सकता है। उद्योग जगत के अधिकारियों ने एटीएम बिजनेस में संरचनात्मक चुनौतियों की ओर भी इशारा किया। बैंकरों के अनुसार, एटीएम का संचालन तेजी से एक खर्चीला व्यवसाय बनता जा रहा है, जबकि एटीएम नेटवर्क को बनाए रखने और उसका विस्तार करने के लिए मिलने वाले प्रोत्साहन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं।

आरबीआई ने बैंकों से मांगा डेटा

सूत्रों ने बताया कि एटीएम में कैश की कमी को लेकर आरबीआई ने सभी बैंकों से टियर-2 और उससे छोटे शहरों में उपलब्ध कैश का पूरा ब्योरा मांगा है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि किस वजह के चलते जगहों-जगहों पर एटीएम में नकदी नहीं मिल रही है। इसके अलावा आरबीआई यह भी पता करने की कोशिश कर रहा है कि कहीं कुछ बैंकों ने कस्बों और छोटे शहरों में ज्यादा ही कम नकदी तो नहीं डाल दी है या फिर एटीएम में कैश समय पर रीलोड न किया गया हो, जिसकी वजह से यह दिक्कत हो रही हो। आरबीआई ने साफ किया है कि अगर ऐसा कुछ भी पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी।

कैश मैनेजमेंट कंपनियों को भी नुकसान

एटीएम खाली रहने की इस समस्या का असर कैश मैनेजमेंट कंपनियों पर भी पड़ा है। बैंकों द्वारा एटीएम में डालने के लिए पर्याप्त नकदी की आपूर्ति न किए जाने के कारण इन कंपनियों को बिजनेस लॉस उठाना पड़ा है।

सेवा उत्पादन सूचकांक को 60 दिन के अंतराल पर जारी करने की सिफारिश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विशेषज्ञों की एक समिति ने क्षेत्रवार सूचकांक हर महीने तैयार करने और सेवा उत्पादन सूचकांक को संदर्भ महीने के 60 दिन के भीतर जारी करने की सिफारिश की है। सांख्यिकी मंत्रालय ने मई, 2025 में नीति आयोग की विशिष्ट फेलो देबजानी घोष की अध्यक्षता में सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति बनाई थी।

शिक्षा और उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों के अलावा, उत्पादन सूचकांक पर तकनीकी परामर्श में सेवा क्षेत्र से संबंधित मंत्रालयों/विभागों के सदस्य भी शामिल हैं। पिछले एक साल में, समिति ने आईएसपी तैयार करने की धारणा, तौर-तरीकों और परिचालन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया

सलाह-मशविरे की प्रक्रिया के तहत, 27 अप्रैल 2026 को आईएसपी तैयार करने के तरीके पर एक दृष्टिकोण पत्र सार्वजनिक किया गया था, जिसमें संबंधित पक्षों से राय और सुझाव मांगे गए थे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि लंबी चर्चा और बातचीत के बाद सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति (टीएसी-आईएसपी) की रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है।

सूचकांक क्षेत्र की गतिशीलता को दर्शाता है

रिपोर्ट में एक सार्वभौमिक रुख अपनाने के पीछे की वजह भी बताई गई है, जो इस क्षेत्र की गतिशीलता को दर्शाती है। समिति ने समय पर जानकारी देने के लिए, क्षेत्रवार सूचकांक को हर महीने तैयार करने और जिस महीने का आंकड़ा है, उसके 60 दिन के अंदर आईएसपी जारी करने का सुझाव दिया। साथ ही, भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में कम समय के बदलावों पर नजर रखने के लिए एक मजबूत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना करने लायक रूपरेखा भी देने की बात कही गयी है।

सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र

रिपोर्ट में कहा गया कि इसका मकसद उपयोगकर्ताओं को 14 जुलाई, 2026 को (परीक्षण) आईएसपी श्रृंखला जारी होने से पहले प्रस्तावित आईएसपी रूपरेखा को बेहतर ढंग से समझने और अपनाने में मदद करना है।

संगठित क्षेत्र के लिए आईपीएस की रूपरेखा प्रदान करती है

यह रिपोर्ट अर्थव्यवस्था के संगठित क्षेत्र के लिए मासिक आईएसपी तैयार करने को लेकर एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट आईएसपी तैयार करने के विभिन्न अवधारणा और तौर-तरीकों पर तकनीकी परामर्श समिति की चर्चाओं और सुझावों को पेश करती है।

सेवा क्षेत्र की माप में सुधार करने में मदद मिलेगी

यह भारत के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में लगभग 53 प्रतिशत का योगदान देता है, बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करता है और आर्थिक वृद्धि, निवेश और निर्यात का मुख्य चालक बनकर उभरा है। प्रस्तावित आईएसपी देश की सांख्यिकीय प्रणाली को मजबूत करने और सेवा क्षेत्र की माप में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पहली बार मासिक आधार पर देश की अर्थव्यवस्था की जानकारी देगा आईएसपी, औद्योगिक उत्पादन का पूरक होगा और पहली बार भारत की अर्थव्यवस्था के संगठित क्षेत्र में कम समय के बदलावों का मासिक आधार पर जानकारी देगा।

इंडियन होटल्स ने 20 नए होटल के लिए करार किए

नई दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र की इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 20 नए होटल के लिए करार किए और वर्ष 2030 तक 700 होटल का पोर्टफोलियो हासिल करने की दिशा में अग्रसर है।

State Urban Development Agency, Chhattisgarh
4th Floor, D Block, Indrawati Bhavan (HOD Building),
Nava Raipur Atal Nagar, Chhattisgarh, 492002 Phone: 0771-2222401
Fax: 0771-2222409 Email: osd.suda@yahoo.com

RFP Notice

Nava Raipur Atal Nagar, Dated 03/07/2026
RFP No.: PROJ-204/201/2026-SUDA (TMPF) SECTION / 407826-1

The State Urban Development Agency (SUDA), Chhattisgarh hereby invites proposals in conformity with the RFP document from registered and authorized agencies having experience and expertise in the similar field of work as per the criteria mentioned in the RFP document as below:

System Tender No.	Name of the Work	EMD	RFP Document Fee	Last date to download the RFP
194731	Request for Proposal (RFP) for Development, Operation and Maintenance of Regional Sanitary Landfill Facilities for Bilaspur Division of Chhattisgarh on DBOT mode, Package I	5,00,000/- INR	10,000/- INR	24.07.2026

The details regarding conditions stipulated in the RFP, EMD, Key dates for submission, detailed RFP, RFP document and all the information related to the RFP can be viewed and downloaded from e-procurement portal https://eproc.cgstate.gov.in or departmental website https://uad.cg.gov.in.

SD/- Chief Executive Officer
S.- 48368 State Urban Development Agency, Nava Raipur Atal Nagar

CGHIDB छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, वृत्त-बिलासपुर

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

वि.क्र.–35

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल वृत्त– बिलासपुर अन्तर्गत संभाग बिलासपुर में निक्षेप कार्य के तहत जिला बिलासपुर में मॉडल उप पंजीयक कार्यालय भवन 01, 02 एवं 03 के निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग बिलासपुर के मो.नं. 8103002219 पर संपर्क करें।

संवाद- 48374 उपायुक्त

कोचीन शिपयार्ड के लिए निवेशकों की 2,900 करोड़ रुपए की बोली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार कोचीन शिपयार्ड में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री के लिए 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां लगाईं। इससे उनके लिए आरक्षित हिस्से को उम्मीद से कहीं अधिक अभिदान मिला। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, गैर-खुदरा खरीदारों ने उनके लिए आरक्षित लगभग 59.66 लाख शेयरों के मुकाबले 2.10 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां लगाईं।

■ संस्थागत निवेशकों ने सरकार की हिस्सेदारी बिक्री के लिए लगाई

निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव अरुणीश चावला ने ट्विटर पर लिखा, ''कोचीन शिपयार्ड लि. (सीएसएल) में बिक्री पेशकश (ओएफएस) को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और पहले ही दिन इसे 3.52 गुना अभिदान मिला। सरकार ने अतिरिक्त बोली आने पर उसे रखने के विकल्प के उपयोग का फैसला किया है। खुदरा निवेशक आठ जुलाई को बिक्री पेशकश के लिए बोली लगा सकते हैं।सांकेतिक मूल्य 1,414.97 रुपये पर, बोलियों की कुल मूल्य लगभग 2,900 करोड़ रुपये है। दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये, सरकार पोत निर्माण कंपनी सीएसएल में 1.32 करोड़ से अधिक शेयर यानी 5.04 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच रही है।

सीएसएल का शेयर टूटकर 1,448 पर हुआ बंद

सीएसएल का शेयर मंगलवार 3.75 प्रतिशत टूटकर 1,448.30 रुपये पर बंद हुआ।सरकार के पास अभी सीएसएल में 67.91 प्रतिशत हिस्सेदारी है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार अब तक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया, जीआईसी और आईआरएफसी में ओएफएस के जरिये हिस्सेदारी बेचकर कुल 18,561 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शुरू की ईपीएफओ भुगतान सेवाएं

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ एकीकरण के माध्यम से भविष्य निधि (पीएफ) भुगतान सेवाएं शुरू की हैं।

निजी क्षेत्र के इस बैंक ने मंगलवार को बयान में कहा कि इस एकीकरण के तहत अब प्रतिष्ठान ईपीएफओ मंच के माध्यम से सीधे पीएफ भुगतान शुरू कर सकेंगे और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के खुदरा तथा कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग मंचों के जरिये लेनदेन पूरा कर सकेंगे। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के खुदरा दायित्व प्रमुख आशीष सिंह ने कहा, ईपीएफओ के साथ हमारे एकीकरण से ग्राहक अब आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के डिजिटल मंचों के माध्यम से भविष्य निधि का भुगतान तेज, सुरक्षित और आसानी से कर सकेंगे।

गांगुली बने इंश्योरटेक मंच इंश्योरेंसदेखो के ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली को इंश्योरटेक के मंच 'इंश्योरेंसदेखो' का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि गांगुली की पहचान एक ऐसे कप्तान की रही है जो निडर होकर खेलें, अपनी टीम का साथ दिया और विजेताओं की एक पीढ़ी तैयार की..उनकी यह पहचान हमारे इस अभियान से मेल खाती है। आयोजकों ने कहा कि 'खुल कर खेलो' मंच पर मौजूद बीमा सलाहकारों के लिए इस अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा, '' इस साझेदारी को डिजिटल और प्रसारण मंचों पर शुरू किए जाने वाले नए टीवीसी अभियान के जरिये पेश किया जाएगा।''

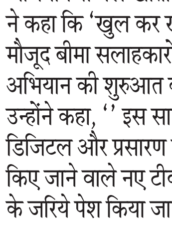

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलिटेक्निक, गरियाबंद देवभोग रोड दर्रापारा, जिला गरियाबंद (छ.ग.) फोन नंबर -07706-299 303
Email: qpolyg@rediffmail.com

क्रमांक 375 / शापाग / स्था. / 2026 गरियाबंद दिनांक 06/07/2026

// विज्ञापन //

Walk-in-Interview for Part Time Lecturer

शासकीय पॉलिटेक्निक गरियाबंद, जिला गरियाबंद (छ.ग.) में निम्न संकाय में पूर्णतः अस्थाई रूप से अंशकालीन आधार पर कार्य करने हेतु इच्छुक उम्मीदवार अपने सभी मूल दस्तावेज एवं 1 सेट छायाप्रति सहित साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते हैं।

क्रमांक	संकाय	पदों की संख्या	आवश्यक शैक्षणिक योग्यता	साक्षात्कार की तिथि एवं समय
1	मेकेनिकल	02	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान से B.E./ B.Tech. प्रासंगिक शाखा में प्रथम श्रेणी (First Class)	दिनांक 14.07.2026 समय: (Reporting & Application Form Submission Time: From 08.00 AM to 09.00 AM, Interview Time: 01.00 PM)
2	माइनिंग	01	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से B.E./B.Tech. प्रासगिक शाखा में प्रथम श्रेणी (First Class)	

विज्ञापित पदों की संख्या परिवर्तनीय है तथा आवश्यकतानुसार बढाई एवं घटाई जा सकती है। नियुक्ति हेतु सेवा शर्तें, अर्हताएं एवं मापदंड का विस्तृत विवरण संस्था की website: www.polygariyaband.ac.in पर देखी जा सकती हैं।

प्राचार्य
जी. 262701931/8 शासकीय पॉलिटेक्निक गरियाबंद (छ.ग.)

कार्यालय अधिष्ठाता
पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

क्र./ चिकि./ बायोटेक./9613/2026 रायपुर, दिनांक 30/06/2026

संशोधित प्रवेश सूचना

एम.एस-सी. मेडिकल बायोटेक्नालाजी कोर्स सत्र 2026-27
आवेदन फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि-20.07.2026
आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि-20.07.2026

पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर द्वारा बायोकेमेस्ट्री विभाग में संचालित एम.एस–सी. मेडिकल बायोटेक्नालॉजी पाठ्यक्रम में सत्र 2026–27 में प्रवेश हेतु 10 विद्यार्थियों का चयन किया जाना है। इस हेतु विभाग के पत्र क्रमांक / चिकि./ बायोटेक./6355/2026 रायपुर, दिनांक 06/05/2026 के द्वारा प्रवेश सूचना प्रकाशित किया गया था। उक्त प्रवेश सूचना में अपरीहार्य करणों से अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए दिनांक 20/07/2026 किया जाता है एवं प्रवेश परीक्षा की संशोधित तिथि महाविद्यालय के वेबसाईट के माध्यम से सूचित की जायेगी। शेष सूचना यथावत रहेगी।

जी.–262700629

अधिष्ठाता
पं. ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय
जी. 262701956/2 रायपुर (छ.ग.)

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (Second Call)

NIT NO: 07/AM/RMC/2026 RAIPUR DATED: 06.07.2026

Online bids are invited for the following works of works up to **22.07.2026** at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor/ firm	Time allowed for Completion
1	194932	RFP for Selection of Consulting firms for preparation of DPR's and to function as PMC for infrastructure component of Urban Flood Risk Management Project for Raipur Municipal Corporation (RMC), Chhattisgarh	184 Cr	3000/-	1,84,000	Open to all Subject to qualifying criteria	As Per RFP

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** in from **07.07.2026, 17:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal., 2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details.
4. Mobile number - SE - 7011421397, EE- 9098120004, S/E- 8878161768

Dream City, Clean City, Green City

SUPERINTENDING ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
E-mail ID: cmhobb2012@gmail.com Tel.phone No.-07727-223550

क्रमांक/एन.एच.एम./एच.आर. / NS–3301/2026–27/4187
बलौदाबाजार, दिनांक 06/07/2026

सूचना

कार्यालयीन पत्र क्रमांक/एन.एच.एम./एच.आर./NS–3301/2025–26/1344 बलौदाबाजार, दिनांक 13/02/2025 के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जिला बलौदाबाजार अंतर्गत विभिन्न रिक्त पदों पर संविदा भर्ती किये जाने हेतु: विज्ञापन जारी किया गया था। द्वितीय चरण में विज्ञापित पदों के सरल क्रमांक 01 से 08 तक कुल 57 पदों पर पदवार प्राप्त आवेदनों के स्कूटनी उपरांत दावा–आपत्ति हेतु पात्र/अपात्र अभ्यर्थियों की प्रारंभिक सूची तैयार कर जिला के विभागीय वेबसाईट में अपलोड कर दी गई है। उक्त पात्र–अपात्र सूची के संबंध में अभ्यर्थी अपना दावा–आपत्ति निर्धारित प्रारूप में दिनांक 06/07/2026 से दिनांक 20/07/2026 तक कार्यालयीन समय 10:00 AM बजे से 5:30 PM बजे तक स्वयं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बलौदाबाजार में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य किसी भी माध्यम (ईमेल अथवा डाक इत्यादि) से प्राप्त आवेदन स्वीकर नहीं किया जावेगा।

दावा–आपत्ति हेतु पात्र–अपात्र की सूची एवं निर्धारित. प्रारूप की जानकारी हेतु जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) के वेबसाईट www.balodabazar.gov.in अथवा कार्यालयीन सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जी-262701943/9 जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

DIRECTORATE OF TECHNICAL EDUCATION, CHHATTISGARH
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
विभागाध्यक्ष भवन, ब्लाक-3, तृतीय/चतुर्थ तल, इंद्रावती भवन, नया रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर Phone: 0771-2221376,
https://dte.cg.gov.in/#/,
Emall-cgdtecounselling@gmail.com

सत्र 2026-27 में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन कॉउंसिलिंग द्वारा होगा। इस हेतु अभ्यर्थी का वेब साइट https://dte.cg.gov.in/#/ एवं https://cgdte.admissions.nic.in/ पर उपलब्ध कौशल विकाय, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग, की अधिसूचना क्रमांक एफ 9-5/2023/तक. शि./42 अटल नगर, दिनांक 11 मई 2023 में प्रकाशित निम्न प्रवेश नियम के अनुसार अर्हता होना अनिवार्य है।

1. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.) पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश नियम–2023 (बी.टेक. लेटल हेतु), 2. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.) पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश नियम–2023, 3. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्तीकेशन (एम.सी.ए.) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश नियम–2023, 4. छत्तीसगढ़ की संस्थाओं के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश नियम–2023

ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की प्रवेश प्रक्रिया का अवलोकन भी उपरोक्त वेब साइट के माध्यम से किया जा सकता है, तत्संबंधी तिथियाँ निम्नानुसार है।

बी.टेक. लेटरल, एम.टेक., एम.सी.ए., एम.बी.ए, पाठ्यक्रम हेतु

काउंसिलिंग गतिविधि	पंजीयन (Registration)	मेरिट जारी	दावा आपत्ति	आर्यटन/रिजल्ट (Allotment/ Result)	प्रवेश (Admission)
प्रथम चरण हेतु तिथियाँ	14th July 2026 10:00AM से 17th July 2026 11:59 PM तक	18th July 2026 05:00 PM बजे	19th July 2026 11:59 PM तक	21st July 2026 05:00 PM बजे	22nd July 2026 10:00 AM से 24th July 2026 05:30 PM तक
द्वितीय चरण हेतु तिथियाँ	26th July 2026 10:00 AM से 29th July 2026 11:59 PM तक	30th July 2026 05:00 PM बजे	31st July 2026 11:59 PM तक	01st August 2026 05:00 PM बजे	02nd August 2026 10:00AM से 04th August 2026 05:30 PM तक
संस्था स्तर हेतु तिथियाँ	06th August 2026 10:00AM से 08th August 2026 11:59PM तक	10th August 2026 05:00 PM बजे	1– मेरिट सूची के अनुसार संस्था स्तर पर आबंटन हेतु अवसर लेने के लिए अभ्यर्थी को संबंधित संस्था में 11th August 2026 प्रात: 10:00AM उपस्थित होना अनिवार्य होगा। 2–संस्था द्वारा आबंटित सीटों पर प्रवेश लेने की कार्यवाही 11th August 2026 01:00PM से 13th August 2026 01:00PM तक की जाएगी। 3–यदि संस्था में सीटें रिक्त रहती हैं तो 13th August 2026 अपराह्न 01:30PM बजे से 14th August 2026 अपराह्न 05:30PM बजे तक निम्नलिखित सभी अभ्यर्थीयों को मेरिट सूची के अनुसार अवसर प्रदान किया जाएगा जो दिनांक 11th August 2026 को (क) उपस्थित नहीं हो पाए (अनुपस्थित)। (ख) उपस्थित हुए लेकिन उन्हें आबंटन नहीं मिला। (ग) सीट आवंटित/प्रवेशित है परंतु वे अपने उच्च वरीयता (Higher Preference) विषय/विकल्प का चयन करना चाहते हैं।			

महत्वपूर्ण निर्देश:- 1. विस्तृत नियम, अर्हता, ऑनलाइन आवेदन/काउंसिलिंग प्रक्रिया, एवं आगामी संशोधनों की पूर्ण जानकारी हेतु निरंतर विभागीय वेबसाइट https://dte.cg. gov.in/ एवं https://cgdte.admissions.nic.in/ का अवलोकन करते रहें। 2. प्रत्येक चरण की काउंसलिंग के लिए अभ्यर्थी को पृथक से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। 3. द्वितीय चरण में भाग लेने (रजिस्ट्रेशन करने) पर प्रथम चरण का प्रवेश स्वत: निरस्त हो जावेगा। 4. संस्था स्तर की काउंसिलिंग हेतु आवेदन करने पर, यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी संस्था में प्रवेश लिया हुआ है, तो वह तब तक निरस्त नहीं होगा, जब तक की अभ्यर्थी संस्था स्तर की काउंसिलिंग में प्रवेश नहीं लेगा। 5. रविवार एवं शासकीय अवकाश के दिनों में भी प्रवेश संस्थाएं एवं सुविधा केंद्र खुले रहेंगे। 6. किसी भी सहायता के लिए अभ्यर्थी सुविधा केंद्र एवं नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 0771–2221376 पर कार्यालयीन समय में संपर्क करें।

जी. 262701955/2 अतिरिक्त संचालक, तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)
दूरभाष (का.) 0771-2439564, 0771-2331204, वेबसाईट: www.psc.cg.gov.in

क्रमांक/GENS–2101/3176/2026/Exam/Part 3/ DIS/581023/ 2026 नवा रायपुर दिनांक 03/07/2026

सूबेदार/उप निरीक्षक संवर्ग/प्लाटून कमांडर (प्रारंभिक) परीक्षा 2024

सूबेदार/उप निरीक्षक संवर्ग/प्लाटून कमांडर (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 दिनांक 12.07.2026 को जिला सरगुजा (अंबिकापुर), कोरिया (बैकुण्ठपुर), बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग, दंतेवाड़ा, बस्तर (जगदलपुर), जांजगीर–चांपा, जशपुर, कबीरधाम, उत्तर बस्तर कांकेर, कोरबा, महासमुन्द, रायपुर, रायगढ़, राजनांदगांव, बलौदाबाजार–भाटापारा, बलरामपुर–रामानुजगंज, सूरजपुर, गरियाबंद, नारायणपुर, कोण्डागांव, बीजापुर, सुकमा, बेमेतरा, बालोद, गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही, मुंगेली, खैरागढ़–छुईखदान–गंडई, मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर, मोहला–मानपुर–अम्बागढ़ चौकी, सक्ती, सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.) के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। जिसकी समय सारणी निम्नानुसार है : –

DATE	DAY	TIME
12.07.2026	SUNDAY	10.00 AM TO 12.00 PM

उक्त परीक्षा हेतु आयोग द्वारा प्रवेश पत्र दिनांक 26.06.2026 को जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट www.psc.cg.gov.in से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते है। आयोग कार्यालय द्वारा किसी भी अभ्यर्थी को पृथक से प्रवेश पत्र अथवा प्रवेश पत्र जारी किए जाने संबंधी कोई सूचना या SMS व्यक्तिश: नहीं भेजा जायेगा।

परीक्षा नियंत्रक
छ.ग. लोक सेवा आयोग
जी-262701939/6 नवा रायपुर अटल नगर

छत्तीसगढ़ शासन वनविभाग कवर्धा वनमंडल कवर्धा (छत्तीसगढ़)

नीलाम की संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कवर्धा वनमंडल कवर्धा के अंतर्गत अ.डिपो लालपुर खैरबना (कवर्धा) एवं काष्ठागार चिल्फी में एकत्रित ईमारती काष्ठ एवं विभिन्न अस्थाई जलाऊ डिपो में एकत्रित जलाऊ चट्टा तथा औद्योगिक बांस का ई–ऑक्शन द्वारा नीचे दर्शित तिथि एवं समय में नीलाम किया जावेगा। इच्छुक क्रेता नीलाम में भाग ले सकते है। नीलाम की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक 14.07.2020 समय 09:00 बजे प्रात: से
वनोंपज की अनुमानित मात्रा निम्नानुसार है:-
डिपो का नाम अ. डिपो लालपुर खैरबना (कवर्धा)

प्रजाति	नया काष्ठ			अनबिके काष्ठ			योग		
	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	126.281	–	193	254.511	330	557	380.792	598	750
साल	–	–	–	112.743	180	–	112.743	180	–
बीजा	–	–	–	4.636	–	–	4.636	–	–
साजा	–	–	–	15.577	–	–	15.577	–	–
स.मो.	–	–	–	16.777	–	–	16.777	–	–
धावड़ा	–	–	–	16.703	–	–	16.703	–	–
कसही	–	–	–	1.855	–	–	1.855	–	–
हल्दु	–	–	–	4.420	–	–	4.420	–	–
घाठा	–	–	–	0.801	–	–	0.801	–	–
अन्य	–	–	–	19.546	470	–	19.546	470	–
योग	**126.281**	**-**	**193**	**447.569**	**980**	**557**	**573.850**	**1248**	**750**

नीलाम दिनांक 14.07.2026 समय 02:00 बजे दोपहर से
डिपो का नाम चिल्फी

प्रजाति	नया काष्ठ			अनबिके काष्ठ			योग		
	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
साल	257.977	268	143	461.68	–	205	719.657	–	348
बीजा	–	–	–	11.709	4	5	11.709	4	5
साजा	–	–	–	12.235	–	–	12.335	–	–
ह.मु.	–	–	–	1.309	–	–	1.309	–	–
धावड़ा	–	–	–	6.598	–	14	6.598	–	14
कसही	–	–	–	12.053	–	–	12.053	–	–
अन्य	–	–	–	1.206	–	–	1.206	–	–
योग	**257.977**	**268**	**143**	**506.790**	**4**	**224**	**764.767**	**4**	**367**

टीप:- (1) क्रेताओ को ई–आक्शन के पूर्व MSTC E-Auction portal में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। (अ) अ. डिपो लालपुर खैरबना में मिश्रित प्रजाति के 93 चट्टा, अ.ज. डिपो बोड़ला में सलिहा प्रजाति के 05 चट्टा, अ.ज. डिपो बानो में सलिहा प्रजाति के 127 चट्टा, कुल 225 जलाऊ चट्टा। (ब) अ. डिपो लालपुर खैरबना में एकत्रित औद्योगिक बांस 153.083 विक्रय इकाई (2) क्रेताओ को ई–आक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लाट की थप्पीसूची एवं फोटो MSTC E-Auction portal में अपने आई.डी. से लॉगइन करके देख सकते है। (4) ई–आक्शन में लॉट क्रय करने हेतु प्रथम क्रेता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं को क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा। (5) प्रत्येक लॉट 30 सेकंड की अवधि के लिए बोली लगाने के लिए लाइव रहेगा। यदि अंतिम 20 सेकंड में कोई बोली प्राप्त नही होती है तो लॉट बंद कर दिया जायेगा।

वनमंडलाधिकारी
जी. 262701928/2 कवर्धा वनमण्डल कवर्धा

एसोसिएट प्रोफेसर की कमी होगी दूर, 90 सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि पूर्ण, पदोन्नति के रास्ते खुले

रायपुर। तीन साल परिवीक्षा अवधि पूरी करने वाले सहायक प्राध्यापकों की पदोन्नति के रास्ते खुल गए हैं। सालभर से ज्यादा अवधि बीतने के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 90 असिस्टेंट प्रोफेसरों की परिवीक्षा अवधि पूरी होने का आदेश जारी किया है। डीपीसी पूरी होने के बाद इन्हें एसोसिएट प्रोफेसर बनाया जाएगा, जिससे चिकित्सा महाविद्यालयों में इनकी कमी दूर होगी। दस दिन पहले 40 सह प्राध्यापकों को प्राध्यापक के रूप में पदोन्नति देकर नए स्थानों पर पोस्टिंग दी गई थी। सूत्रों के अनुसार चिकित्सा महाविद्यालयों में सीजीपीएससी के माध्यम से भर्ती लेने वाले सहायक प्राध्यापकों का तीन साल प्रोबोशन पीरिएड होता है। इसके बाद इन्हें स्थायी मानते हुए पदोन्नति का लाभ दिया जा सकता है। मंगलवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 90 सहायक प्राध्यकों का प्रोबेशन पीरिएड समाप्त करने का आदेश जारी किया है। सभी वर्ष 2021-22 बैच के डाक्टर हैं जिनकी अवधि सालभर पहले पूरी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक अभी राज्य में पांच नए चिकित्सा महाविद्यालय खोलने की तैयारी है इसके साथ पुराने कालेजों में भी काफी संख्या में फैकल्टी की कमी है। इन कमियों को दूर करने और एसोसिएट प्रोफेसरों की कमी को दूर करने इन्हें पदोन्नति का लाभ दिया जा सकता है। चिकित्सा शिक्षा विभाग में दस दिन पहले 40 सह प्राध्यापकों को प्राध्यापक के रूप में पदोन्नत किया गया था। इसके साथ ही उन्हें नए चिकित्सा महाविद्यालयों में पदस्थ किया गया था। 40 वरिष्ठ चिकित्सकों के प्राध्यापक बनने के बाद एसोसिएट प्रोफेसर के काफी के रिक्त पदों की संख्या काफी अधिक हो गई है। माना जा रहा है कि इन्हें पदोन्नति का लाभ देने के बाद रिक्त पदों की कमियों को काफी हद तक दूर किया जा सकता है।

डीपीसी का करना होगा इंतजार

पिछले दिनों डीपीसी के बाद वर्ष 2014 बैच के एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रोफेसर बनाया गया था। आने वाले दिनों में वर्ष 2017 बैच के लोगों को भी इस पदोन्नति का लाभ मिलेगा। इसके बाद असिस्टेंट प्रोफेसर को सह-प्राध्यापक बनाने डीपीसी की जा सकती है। राज्य में इस बार सीजीपीएससी के माध्यम से सहायक प्राध्यपकों की भर्ती भी की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

चौंकाने वाले खुलासे,...

पर छिपाकर बाहर ले जाते थे। कई मौकों पर दूसरे कर्मियों द्वारा उन्हें आड़ देकर सहयोग करने के भी सीसीटीवी साक्ष्य मिले हैं। **अधिकारियों की लापरवाही से बढ़ी हिम्मत-** जांच में पाया गया कि अधिकारियों की घोर लापरवाही और मिलीभगत के कारण इन अनिवार्य सुरक्षा उपायों को पूरी तरह शिथिल कर दिया गया। कर्मियों को मोबाइल रखने की छूट थी, तलाशी नहीं ली जा रही थी और वे सामान्य कपड़ों में ही नोटों की गड्डियों के ठीक पास बैठ रहे थे। इसी सुरक्षा चूक का फायदा उठाकर आरोपियों ने इस दुस्साहस को अंजाम दिया। **ताऊ की सिफारिश पर हुई थी एंट्री-** इस पूरे मामले में एक बड़ा प्रशासनिक और रसूख का खेल भी उजागर हुआ है। आरोपियों में शामिल मनीष कुमार यादव की नियुक्ति 'सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज' के माध्यम से बैंक कर्मी के रूप में कराई गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि मनीष की यह एंट्री उसके ताऊ रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू की रसूखदार सिफारिश पर हुई थी। हैरानी की बात यह है कि रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास बिना किसी औपचारिक या लिखित प्राधिकार के मंदिर परिसर की दानपत्रों की चाबियां रहती थीं। यानी बिना किसी आधिकारिक जिम्मेदारी के वे चाबियों की अभिरक्षा संभाल रहे थे, जिससे अनधिकृत पहुंच का गंभीर जोखिम पैदा हुआ। उन्होंने ही अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर मनीष यादव को 15 अप्रैल 2026 को काउंटिंग ड्यूटी पर लगवाया, जिसने 11 मई से ही लगातार चोरी करना शुरू कर दिया था।

चेतावनियों को किया...

इन चेतावनियों को नजरअंदाज किया और बैकअप क्षमता को बेहद सीमित (मात्र 45 दिन) रखा। यही वजह है कि 27 अप्रैल 2026 से पूर्व की अवधियों में हुई चोरियों का सटीक आकलन सीसीटीवी के जरिए नहीं किया जा सका, हालांकि आरोपियों के बैंक खाते इशारा करते हैं कि गबन का यह खेल बहुत पहले से चल रहा था।

फैक्ट्री में ब्लास्ट,...

बाद फैक्ट्री में अफरा-तफरी की स्थिति बनी हुई है। हालांकि इस घटना में कुल कितने लोगों की मृत्यु एवं कितने घायल हुए हैं, इसकी अधिकृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

मलबे के नीचे दबे होने की आशंका-
बताया जा रहा है कि तीन मजदूरों की मौत के बाद भी मौके पर रेस्क्यू अभियान जारी है। आशंका जताई जा रही है कि मलबे के नीचे कुछ और मजदूर दबे हो सकते हैं। हालांकि इसे लेकर फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि आखिर हादसे के समय कुल कितने मजदूर वहां काम कर रहे थे। ब्लास्ट इतना शक्तिशाली था कि मृतक के कुछ अंग भी शरीर से अलग हो गए इस हादसे के बाद मौके पर जो दृश्य देखने को मिले हैं, उसे देख यह लग रहा है कि ब्लास्ट काफी जोरदार रहा होगा। इस हादसे में मारा गया एक मजदूर का कटा पैर मिला है, जो ब्लास्ट के बाद उसके शरीर से अलग होकर दूर पड़ा था।

मलबा हटाने जेसीबी का भी इस्तेमाल-
हादसे के बाद कई घंटे तक रेस्क्यू अभियान चला है। इस दौरान मलबे के नीचे भी कुछ मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई जा रही थी। इसे देखते हुए मौके पर एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड टीम के अलावा पुलिस के अधिकारी भी पुलिस कर्मियों के साथ देर रात तक घटना स्थल पर डटे रहे। मलबा को हटाने के लिए जेसीबी का भी इस्तेमाल किया गया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मलबा हटाने का कार्य जारी रहा। **हादसा हो सकता था और बड़ा-** बताया जा रहा है कि हादसे हुआ, वहां पास ही औद्योगिक ऑक्सीजन सिलेंडर भी बड़ी तादात में रखे हुए थे। इनमें कई सिलेंडर भरे हुए थे। ब्लास्ट के दौरान अगर इन सिलेंडरों में विस्फोट होता, तो हादसा इससे भी ज्यादा भयंकर हो सकता था, क्योंकि इस हादसे में फैक्ट्री में मौजूद और भी कई मजदूर चपेट में आ सकते थे। विस्फोट से मजदूर का कटा पैर भी इन सिलेंडरों के पास ही पड़ा मिला।

दो किमी दूर...

की मौके पर मौत हो गई है, वहीं अन्य घायल मजदूर की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मृतकों की पहचान लाल सिंह एवं कमल सिंह निवासी डिंडौरी मध्यप्रदेश तथा अरुण पांडे निवासी जांजगीर चांपा के रूप में हुई है। इनमें कमल की एंबुलेंस से अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत होना बताया जा रहा है।

गौरीशंकर केश शिल्पी...

देव शरण सेन को सदस्य नियुक्त किया गया है। राज्य महिला आयोग में डॉ. ममता साहू को अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष पद पर रामलाल चौहान, उपाध्यक्ष वेदराम मनहरे और सौरभ सिंह जागृत , दुर्गा महेश्वर और दयावंत बांधे को सदस्य नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड में आनंद निषाद को अध्यक्ष और नेतराम निषाद को सदस्य नियुक्त किया गया है।

देशभर में बंद...

हुए हैं। हरियाणा, ओडिशा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में भी 1-1 कॉलेज बंद किया गया है। इस सूची में छत्तीसगढ़ से एक भी इंजीनियरिंग महाविद्यालय नहीं है। एआईसीटीई का कहना है कि कई कॉलेजों में काफी समय से छात्रों की संख्या लगातार कम हो रही थी। कई जगह योग्य शिक्षक नहीं थे और कुछ संस्थान जरूरी सुविधाओं व तय नियमों को भी पूरा नहीं कर पा रहे थे। बार-बार मौका देने के बाद भी सुधार नहीं हुआ, इसलिए इन कॉलेजों को बंद करने का फैसला लिया गया। एआईसीटीई ने स्पष्ट किया है कि पहले से पढ़ रहे छात्रों की पढ़ाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ये कॉलेज सिर्फ नए छात्रों का एडमिशन नहीं लेंगे. पुराने छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे और उन्हें तय समय पर डिग्री भी मिलेगी।

केरल में तबाही,...

के जरिए जोड़ना है। टनल की लंबाई करीब लगभग 8.17 किमी है। इसकी लागत करीब 2,100–2,200 करोड़ है। दो साल पहले भी वायनाड में एक के बाद एक तीन भूस्खलन हुए थे, जिसमें 400 से ज्यादा जानें चली गई थीं।
गौरतलब है कि पिछले 24 घंटों में इस इलाके में 265 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। यह बारिश ऐसी नहीं थी जिसका पहले से अंदाजा न लगाया जा सकता था। मौसम विभाग ने पहले ही येलो अलर्ट जारी कर दिया था। **सीएम सतीशन बोले-दुर्भाग्यपूर्ण घटना-** केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री पी. के. बशीर और जिलाधिकारी ने ठेकेदारों को इस क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जमा मिट्टी के मलबे को हटाने के निर्देश काफी पहले ही दे दिए थे। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के कार्यालय में अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हालांकि, ठेकेदारों ने इन निर्देशों का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। बचाव प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि मौसम संबंधी उचित चेतावनी जारी नहीं होना भूस्खलन का कारण नहीं था, बल्कि अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार समय पर मिट्टी नहीं हटाए जाने की वजह से यह घटना हुई। कृषि मंत्री टी सिद्दीकी ने पत्रकारों से कहा, यह प्राकृतिक भूस्खलन नहीं है। यह एक मानव निर्मित भूस्खलन है, जो खुदाई के बाद निकाली गई मिट्टी को अवैज्ञानिक तरीके से इकट्ठा करने के कारण हुई है। **कश्मीर में बादल फटा-** जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। बादल फटने के बाद मलबा रिहायशी इलाकों में आ गया। इसकी चपेट में आने से कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा।

इंडोनेशिया भी ब्रह्मोस...

सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत सोमवार को जकार्ता पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। ऐसा समझा जाता है कि दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में इंडोनेशिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इस हथियार की सफलता के बाद हवा से हवा में प्रहार करने वाली 'अस्त्र' मिसाइलों का भारत से आयात करने का फैसला किया है। महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए, भारत ने इंडोनेशिया में इस्पात, गिलट और दुलर्भ स्थायी चुंबकों के निर्माण में निवेश करने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, आज के युग में, प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखला का लचीलापन बहुत मायने रखता है। महत्वपूर्ण खनिजों और इस्पात के क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला को अधिक मजबूती देने के लिए भी अहम समझौता हुआ है। उन्होंने कहा, हमारी कंपनियों के बीच स्टेनलैस स्टील और दुलर्भ चुंबक को लेकर साझेदारी की नयी शुरुआत हो रही है। भारत और इंडोनेशिया ने सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सबांग बंदरगाह का संयुक्त रूप से विकास करने पर भी सहमति जताई। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित है और भारत की ग्रेट निकोबार बंदरगाह परियोजना से लगभग 100 मील (160 किलोमीटर) की दूरी पर है। वार्ता के बाद अपने मीडिया बयान में मोदी ने कहा, 2018 में बनी हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी आज एक नयी उड़ान ले रही है। हम विकास, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और शिक्षा.. हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है, आज से भारत-इंडोनेशिया साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू होगा।

55 गांव, 213 किमी...

55 गांवों की 213 किलोमीटर विद्युत व्यवस्था महज एक संविदा कर्मी और जरूरत पड़ने पर कभी-कभार बुलाए जाने वाले आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के कंधों पर टिकी हुई है। जबकि इन गांवों में करीब 10 हजार उपभोक्ता हैं। तकनीकी कर्मचारियों की भारी कमी के कारण आपातकालीन फॉल्ट सुधारने और रख-रखाव में भारी समस्या आ रही है। इन दिनों आंधी-तूफान के चलते अक्सर लाइन में फॉल्ट आने से घंटों बिजली गुल रहने की समस्या आम है। आउटसोर्स और संविदा कर्मी को अक्सर बिना पर्याप्त उपकरणों और सुरक्षा के जान जोखिम में डालकर काम करना पड़ता है। ट्रांसफार्मर खराब होने या तार आदि टूटने पर तो घंटों क्या एक-दो दिन से ज्यादा भी बिजली आने का इंतजार करने पड़ता है। बता दें कि साढ़े तीन साल पूर्व ही विद्युत कंपनी ने नानगुर को विद्युत वितरण केन्द्र बनाया, पर अब तक कनिष्ठ अभियंता एवं कर्मचारियों को तैनात नहीं किया गया है। क्षेत्र में बारिश के दौरान रोज लगभग 70-80 फ्यूल कॉल दर्ज हो रहे हैं, जिनका निराकरण समय पर नहीं हो पा रहा है।

यहां लाइनमैन नहीं...

कवाली, मांझीगुड़ा, अलनार, बड़े बोदल, पराली, चिलकुटी, बिरनपाल, पुसपाल, जामावाड़ा, धनियालूर, बड़े मुरमा, नवागुड़ा, आमाडोंगरी, सुरंदवाड़ा, भैंसबांधा, हाटपदमुर, कावापाल, नागलसर, कोलेंग, मिलकुलवाड़ा, नेतानार, गुड़यि, चांदामेटा, मरियमपारा, मावलीपदर, वोरिकपाल, कांदानार, मुंडागढ़, खंगार डेरा, छिन्दगुर, पुलचा, बामनारास सहित 55 गांव आते हैं।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ.वाशानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें।
रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का हेलीग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-पुस्तक प्रकाशन में टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। कंप्यूटर नॉलेज जरुरी। वेतन योग्यता अनुसार। अंग्रेजी वाले को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- Evincepub Publishing, शिवम काम्प्लेक्स, ITI कोनी, बिलासपुर 62607 11728, 9171810321 **(41350)**

आवश्यकता है- बिलिंग क्लर्क, सामान निकालने स्टाफ, डिलीवरी पर्सनल, ई-रिक्शा ड्राइवर, सिविल इंजीनियर/डिप्लोमाधारी, पेमेन्ट कलेक्शन हेतु भरोसेमंद व्यक्ति (फ्रेशर/अनुभवी) चाहिए पता- नमन इंटरप्राइजेज एंड कंस्ट्रक्शन, त्रिवेणी भवन, व्यापार विहार, बिलासपुर 7049063402, 81093 33081 **(41355)**

आवश्यकता है- आरोग्य अमृततुल्य (Aarogya Amruttulya) चाय की दुकान में ऊर्जावान मेहनती लड़के/ लड़की की आवश्यकता है (कार्य- काउंटर संभालना, किचन के कार्य) पता- आरोग्य अमृततुल्य, मुंगेली नाका ग्राउऊ, मंगला, बिलासपुर 7089572509 **(41356)**

आवश्यकता है- अग्रणी जीवन बीमा कंपनी में आकर्षक कमिशन पर अभिकर्ताओं एजेंट की आवश्यकता है 10 वी, 12वीं, स्नातक महिला, पुरूष, पार्टटाईम, फुलटाईम महिलाओं के लिए विशेष मानदेय संपर्क करें 7389486395 **(41351)**

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियां चाहिए उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 एवं रहना खाना, सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 **(41359)**

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन साईट में काम करने हेतु अनुभवी सुपरवाइजर एवं ऑफिस में पेपर वर्क करने हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक कंस्ट्रक्शन अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827849000 **(41357)**

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित दवाई दुकान में काम करने हेतु पुरुष फार्मासिस्ट/ नान फार्मासिस्ट कर्मचारियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता, आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8959828335 **(41352)**

आवश्यकता है- मोबाइल शॉप में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है, सैलरी 7500 से 8500 सम्पर्क करें- श्रीश्याम कम्युनिकेशन (सैमसंग स्टोर) जायका रेस्टोरेन्ट के पास, मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 7000175787, 95848 44447 **(41354)**

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु अनुभवी कार ड्राईवर की आवश्यकता है जिसे सभी प्रकार की गाड़ी चलानी आती हो। सम्पर्क करें 8839405065 (नया या फ्रेश लाइसेंस वाले सम्पर्क ना करें) **(41353)**

आवश्यकता है-(1) ट्रान्सपोर्ट मैनेजर (जो सभी गाड़ियों का पूर्ण मैनेजमेंट करे) (2) मेन्टेन्स सुपरवाइजर (जो ट्रकों के पूर्ण रखरखाव का अनुभवी हो) (3) ट्रक ड्राइवर (जो ट्रेलर 14 चक्का गाड़ियां चलाने का कम से कम 5वर्ष का अनुभव हो) सम्पर्क करें- विशाल मोटर्स 7000470116 7974174906 **(41360)**

आवश्यकता है- दुकान में कंप्यूटर ऑपरेटर जो टैली में कम से कम 3 वर्ष का अनुभवी हो की। साक्षात्कार हेतु स्वयं आकर मिले। सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी सरजु बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर **(41358)**

आवश्यकता है- सुपरवाइजर ई रिक्शा ड्राइवर, और ऑफिस वर्क के लिए युवती की आवश्यकता है तत्काल सम्पर्क करें- पीआरके एडवरटाइजिंग अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177 **(41345)**

आवश्यकता है-ड्राइवर की आवश्यकता है। वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है। वेतन एवं अन्य सुविधाएँ चर्चा अनुसार। अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों सम्पर्क करें- जीएम ट्रेडर्स श्याम टॉकीज रोड, बिलासपुर 84358 02555 **(41319)**

आवश्यकता है-कंस्ट्रक्शन लाइन में कार्य करने हेतु अनुभवी साइड सुपरवाइजर 2पद, एवं थोक सब्जी मंडी में कलेक्शन मैनेजर एवं सेल्समैन युवक की। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- (10am से 12pm) 98935 99044 **(41344)**

आवश्यकता है-रायपुर सिविल लाइन्स स्थित एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की तत्काल आवश्यकता है अनुभव कम से कम 5वर्ष शिक्षा न्यूनतम 10वीं पास वेतन 20000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने की व्यवस्था स्थान सिविल लाइन्स, रायपुर सम्पर्क करें-91099 72720, 9109125252 **(044)**

आवश्यकता है- ऑनलाइन कम्प्यूटर अनुभवी लड़का चाहिए (जो पर्सनल असिस्टेंट और फील्ड कार्य कर सके) वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-शिवा एंटरप्राइजेज, अरपा कॉम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7067124226. 9238421379 **(41332)**

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती सुरक्षागार्ड 25, ड्राइवर 10, फिल्ड ऑफिसर 10 बाइक अनिवार्य, वेतन- 11000 से 18000+ रहना फ्री, साईट बिलासपुर, भूपदेवपुर पता- शॉप नं.-210 फर्स्ट फ्लोर बालाजी प्लाजा 8461881110, 9111000881, 88898 23100 **(41295)**

आवश्यकता है-FMCG कम्पनी में कार, कमर्शियल व्हीकल हेतु ड्राइवर-2, सेल्समैन-4 (वेतन 15000 से 25000) जूनियर,सीनियर अकाउंटेंट, स्टॉक एंट्री हेतु लड़कियां-2 चाहिए सम्पर्क करें- ब्लू Sapphire डिस्ट्रीब्यूटर व्यापार विहार बिलासपुर 07752-411422 **(41343)**

आवश्यकता है-अनुभवी PRO (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर) फील्ड वर्क, OT टेक्नीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधी पारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 **(41346)**

आवश्यकता है-ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 8000/- कार्य समय 10 से 8 पता- पाहवा इंटरप्राइजेज, गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 81091 67000 **(41348)**

आवश्यकता है-CA ऑफिस में काम करने के लिए चपरासी (Peon) की आवश्यकता है योग्यता- दसवीं, बारहवीं पता- काशी कॉम्प्लेक्स लिंक रोड बिलासपुर सम्पर्क करें- 9300492291 **(41342)**

आवश्यकता है-गिफ्ट शोरूम में काम करने के लिए लड़को, लड़कियों तथा जिसे कार्टून पैकिंग का अनुभव हो एवं रिक्शा चालक की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रणभ तोलानी 7711006641 **(41257)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 महीना कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 87705 08791, 8982834337 **(529)**

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें-89294 49955 **(63586)**

आवश्यकता है-घर में रहकर झाड़ पोछा एवं साफ सफाई कार्य करने हेतु पुरुष कर्मचारी या लड़के की आवश्यकता है। दोपहर 12 बजे के बाद सम्पर्क करें- 9827195555 **(41334)**

आवश्यकता है-सनराइज पब्लिक स्कूल में कक्षा पहली से छठवीं तक गणित, हिन्दी पढ़ाने के लिए शिक्षिका एव सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से दोपहर 12बजे तक 96917 00427 **(41335)**

आवश्यकता है-10 चक्का हाइवा ड्राइवर रेती घाट अनुभवी ड्राइवर, हेल्पर चाहिए। हेवी लाईसेन्स आयु 25 वर्ष से ऊपर अनिवार्य। वेतन- ड्राइवर 10000/- हेल्पर 4000/- भत्ता 600/- प्रतिदिन। केवल जयराम नगर, कर्रा मस्तूरी, दर्री घाट एवं आसपास के गांवों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता, ईमानदार, जिम्मेदार, नशा मुक्त एवं वाहन की देखभाल करने वाले उम्मीदवार ही सम्पर्क करें- 9109395522 **(41341)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

बेचना

बेचना है-रायपुर रोड छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के सामने एयरपोर्ट रोड पर 50×200= 10000वर्गफिट व्यावसायिक डायवर्टेड बाऊन्ड्रीवाल किया हुआ प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9340685602 **(41330)**

बेचना है-दुकान बेचना है शनिचरी पड़ाव में 8×12 साईज की तीन मंजिला दुकान वर्तमान की स्टेशनरी की चालू हालत में जमीं जमाई दुकान बेचना है। सम्पर्क करें- 91314 52265, 9827473604 **(41336)**

किराया

किराया-600 वर्गफिट का हाल छोटे व्यवसाइयों को किराए से देना है। आयुर्वेदिक अस्पताल के पीछे, नूतन चौक के पास सरकंडा में (पार्किंग सुविधा) सहित सम्पर्क करें- 9329879789, 9303483227 **(41331)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
गुप्त रोगी स्वयं मिले
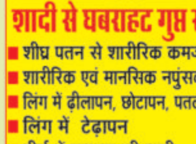
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

स्पेन की अभेद्य दीवार सिमोन, 6 'क्लीन शीट', बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

गोलकीपर उनाई ने 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने रिकॉर्ड को किया मजबूत

आर्लिंगटन। स्पेन ने फीफा विश्व कप में रक्षात्मक मजबूती का नया इतिहास रचते हुए लगातार 6 मैचों में 'क्लीन शीट (बिना गोल खाए मुकाबला समाप्त करना)' का विश्व रिकॉर्ड बना दिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल पर 1-0 की जीत के साथ स्पेन ने यह उपलब्धि हासिल की। वहीं गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने विश्व कप रिकॉर्ड को और मजबूत कर लिया। स्पेन ने इस उपलब्धि के साथ 1990 में इटली और 2006-10 के दौरान स्विट्जरलैंड के लगातार पांच क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्पेन का यह सिलसिला 2022 विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ 0-0 के ड्रॉ से शुरू हुआ था।

स्पेन ने स्विट्जरलैंड के 5 क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा

सिमोन ने बनाया नया रिकॉर्ड

मौजूदा विश्व कप में स्पेन ने ग्रुप चरण के पहले मैच में केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। इसके बाद टीम ने लगातार चार मुकाबलों में विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया और क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नॉकआउट चरण के पहले मुकाबले में ही ऑस्ट्रिया पर 3-0 की जीत के दौरान 517 मिनट के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड इटली के महान गोलकीपर वाल्टर जेंगा के नाम था, जिन्होंने 1990 विश्व कप में लगातार पांच क्लीन शीट के साथ 517 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल नहीं करने दिया था।

16 साल बाद क्वार्टर फाइनल में स्पेन, पुर्तगाल को 1-0 से हराया

अर्लिंगटन। मिकेल मेरिनो ने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में गोल किया, जिससे स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मेरिनो को गिराने पर रेफरी ने फाउल का फैसला सुनाया। पुर्तगाल के बर्नार्डो सिल्वा बहस करने लगे, तभी मेरिनो ने गेंद वापस ली, उसे अपने साथियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाया और आखिर फेरान टोरेस से पास लेकर गोलकीपर डियोगो कोस्टा को आसानी से छकाकर गोल दाग दिया।स्पेन ने 2010 में अपना एकमात्र विश्व कप खिताब जीतने के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला शुक्रवार को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में बेल्जियम से होगा। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेरिनो 85वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने जल्द ही अपना वह जलवा दिखा दिया, जिसकी बदौलत आर्सेनल ने इस साल 20 से अधिक वर्षों में अपना पहला प्रीमियर लीग खिताब जीता था।

तालियों के बीच विदाई
अधूरा रह गया रोनाल्डो का सपना

अर्लिंग्टन। विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो जब मैदान से बाहर जा रहे थे तो दर्शकों ने तालियां बजाई, जिसका उन्होंने हाथ हिला कर आभार भी व्यक्त किया लेकिन उनके चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी। अपना छठा और आखिरी विश्व कप खेल रहे 41 वर्षीय सुपरस्टार रोनाल्डो का विश्व कप जीतने का सपना राउंड ऑफ 16 के मैच में पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी स्पेन से 1-0 की हार के साथ टूट गया। उन्हें मैच के पहले हाफ में गोल करने का एकमात्र मौका मिला था लेकिन सर्वाधिक लंबे समय तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड बनाने वाले गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार छलांग लगाकर उनके प्रयास को नाकाम कर दिया। रोनाल्डो लगातार छह विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

मेजबान अमेरिका का सफर खत्म, बेल्जियम ने दी मात

सिएटल। चार्ल्स डी केटेलेरे ने दो गोल किए और एक गोल करने में मदद की, जिससे बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और मेजबान टीम की अपनी घरेलू धरती पर अंतिम आठ में पहुंचने की उम्मीद को खत्म कर दिया। इस मैच में अमेरिका की रक्षापंक्ति की कमजोरी भी उजागर हो गई, जिसका बेल्जियम ने पूरा फायदा उठाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के कारण पिछले मैच में लाल कार्ड मिलने के बावजूद इस मैच में खेलने वाले अमेरिका के स्टार फॉरवर्ड फोलारिन बालोगुन की मौजूदगी से उसकी टीम को मजबूती मिली थी लेकिन वह कोई कमाल नहीं दिखा पाए। केटेलेरे ने पहले हाफ में अपने दोनों गोल (नौवें और 33वें मिनट) रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर किए। इस बीच मलिक टिलमैन ने 31वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके अमेरिका को बराबरी दिलाई थी लेकिन बेल्जियम ने जवाबी हमला करते हुए 61 सेकंड बाद ही फिर से बढ़त हासिल कर ली। बेल्जियम की तरफ से यह गोल हैंस वानाकेन ने 57वें मिनट में किया। रोमेलु लुकाकू ने स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में बेल्जियम का अंतिम गोल दागा।

श्रीलंका के खिलाफ जीत के करीब वेस्टइंडीज

एजेंसी ▸▸| नार्थ साउंड

टेस्ट

जस्टिन ग्रीव्स की श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन 325 गेंदों में खेली गई संघर्षपूर्ण 180 रन की पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने मैच पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी और टीम चार वर्षों में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतने के बेहद करीब पहुंच गई है।

श्रीलंका के 9 विकेट पर 549 रन पर पारी घोषित के जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 499 रन पर सिमटी, जिससे वह केवल 50 रन पीछे रही। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 92 रन बना लिए थे। पहली पारी में शतक लगाने वाले लाहिरू उदारा खाता खोले बिना ही आउट हो गए, जबकि निशान फर्नांडो 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। स्टंप्स के समय दिनेश चांदीमल 40 और कमिंदु मेंडिस 30 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हो चुकी है। श्रीलंका की कुल बढ़त अब 142 रन की हो गई है।

विमेंस हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी फातिमा सना

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना को 'विमेंस हंड्रेड टूर्नामेंट' खेलने की अनुमति दी है। फातिमा सना 'विमेंस हंड्रेड' में बर्मिंघम फीनिक्स का हिस्सा हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले हंड्रेड के शुरुआती दो मुकाबलों में सना उपलब्ध नहीं रहेंगी। श्रीलंका के खिलाफ 28 जुलाई को वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद वह हंबनटोटा से सीधे इंग्लैंड रवाना होंगी और टूर्नामेंट के बाकी मैचों में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी। 24 वर्षीय फातिमा सना हाल ही में हंड्रेड में चुनी जाने वाली पाकिस्तान की पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। बर्मिंघम फीनिक्स ने उन्हें वाइल्डकार्ड ड्राफ्ट के जरिए ऑस्ट्रेलिया की लूसी हैमिल्टन के स्थान पर न्यूनतम 15,000 पाउंड के अनुबंध पर अपनी टीम में शामिल किया था। सना ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 38 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए और 16 रन देकर तीन विकेट भी लिए।

इंडिया आने की बना रहा हूं योजना : जोकोविच

नई दिल्ली। मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने कहा, मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं। हम इस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे पता है कि विराट एक वैश्विक स्टार हैं, लेकिन खासकर भारत में, वह कमाल के हैं। मैं चाहूंगा कि वह मेरे मेजबान बनें और मुझे घुमाएं। मेरे मन में उनके और भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत सम्मान है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 1604 / न.पा.नि. / 2026 — रायगढ़ दिनाँक 07/07/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	194901	LAYING OF 200 MM DIA DI PIPELINE NEAR SECL ROAD MARINE DRIVE KAYAGHAT AT W.N. 28, 29 (3rd Call)	10.33	20.07.2026
2	194938	CONSTRUCTION OF TOILET BLOCK TYPE-1 (10-Seater) ASPIRATIONAL TOILET AT OLD SARANGARH BUS STAND AS PER ENCLOSED SPECIFICATION AND DRAWINGS INCLUDING DEFECT LIABILITY PERIOD OF 36 MONTHS FROM THE DATE OF COMPLETION. (BALANCE WORK) (2nd Call)	14.48	23.07.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, न.पा.नि., रायगढ़

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

नहीं रहे अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज जादरान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज शापूर जादरान का 38 साल की उम्र में निधन हो गया। वह एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी 'हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस' (एचएलएच) से पीड़ित थे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जादरान ने 2009 से 2020 के बीच अफगानिस्तान के लिए 44 एकदिवसीय और 36 टी20 मैच खेले। एचएलएल एक 'हाइपर-इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम' है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। मंगलवार को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने उनके निधन की घोषणा की। एसीबी ने 'एक्स' पर लिखा, 'बहुत दुख और अफसोस के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान के निधन पर शोक व्यक्त करता है।'

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL),CSPGCL,
Shed No. 11, Dangania, Raipur-492013
Phone No. 0771-2574562, website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/663 — Raipur, date 02.07.2026

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL in three-part tendering system. The unregistered contractor having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only may be considered on submission of experience certificate for following work as mentioned below:-

Tender Specifi. No.	Name of Work	NIT value
CEC/HTPS-KW/W/2026/49	Resurfacing of existing tar road from Hospital Chowk to Erector Hostel Chowk (near F-1 Block) at HTPS, CSPGCL, Korba West. E-Comp. No.-314752	63.34 Lacs

Note:- (i) The detailed NIT, Tender document & other details can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal. (ii) NIT value is inclusive of GST @ 18%.

Chief Engineer (Civil)
CSPGCL, Raipur

//Save Electricity//

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र.14-4/न.पा.नि./जोन क्रं.07/2026-27 — दिनांक 06/07/2026

नगर पालिक निगम बिलासपुर के जोन क्र.07 अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	एसओआर	निविदा डाउनलोड/सबमिट करने की अंतिम तिथि
194709	वार्ड क्र. 51 राजकिशोर नगर उर्जा पार्क के पास राहत शिविर भवन निर्माण कार्य।	150.00	PWD Building SOR 01/01/2015. Upto Amenedment	26/ 07 / 2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 06/07/2026 से डाउनलोड की जा सकती है।

सम्पत्तिकर दुकान किराया एवं पानी बिल का भुगतान ऑनलाईन nigambilaspur.com/ptis पर किया जाता है

कार्यपालन अभियंता, जोन क्र.07
न.पा.नि., बिलासपुर (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6280

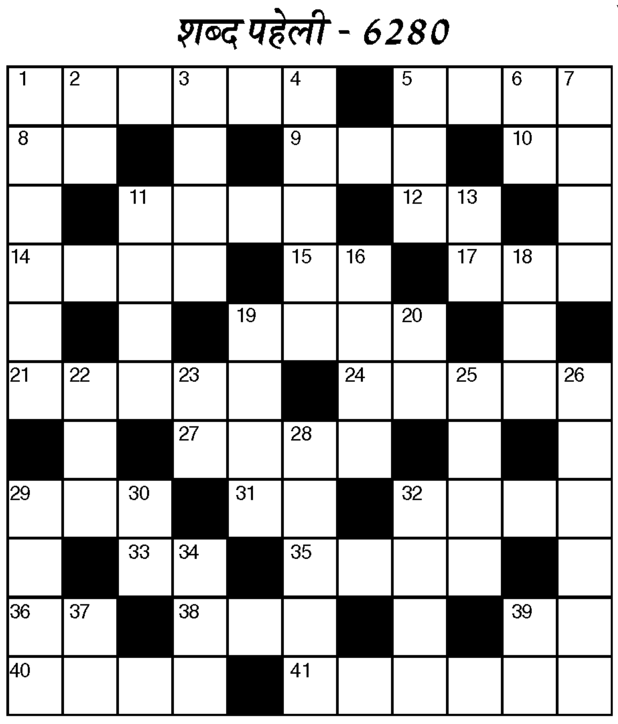

बाएँ से दाएँ

1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे

1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली- 6279 का हल

■	ब	ल	शा	ली	■	रु	ख	सा	र	■
अ	न	■	ली	■	प	त	न	■	जा	न
न	■	ज	मा	दा	र	■	न	म	■	फा
म	ग	रु	र	■	■	आ	■	द	र	स
ना	■	र	■	अ	ज	ग	र	■	वा	त
■	मि	त	वा	■	ही	■	स	प	ना	■
म	ल	■	दा	वा	न	ल	■	रा	■	फि
त	न	य	■	ल	■	■	ह	ज	र	त
ल	■	म	त	■	का	र्या	ल	य	■	र
बी	ज	■	म	का	न	■	च	■	सा	त
■	य	ल	गा	र	■	ब	ल	शा	ली	■

सूडोकु नवताल 6290

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6289 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

दुनिया का सबसे खूबसूरत कॉलेज, क्लासरूम लगता है परियों का देश

वारसॉ। दुनिया भर में कई विश्वविद्यालय हैं जो अपनी पढ़ाई के स्तर के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन पोलैंड का व्रोकलॉ विश्वविद्यालय अपनी भव्य और मनमोहक वास्तुकला के कारण अलग ही जगह रखता है। इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत कॉलेजों में शुमार किया जाता है। यहां के क्लासरूम, हॉल और इमारतें देखकर ऐसा लगता है मानो कोई परी कथा जीवंत हो गई हो। कॉलेज के छात्र यहां क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं। व्रोकलॉ विश्वविद्यालय पोलैंड के व्रोकलॉ शहर में स्थित है। इसकी स्थापना 1702 में हुई थी और यह पोलैंड के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है। लेकिन, इसकी प्रसिद्धि सिर्फ उम्र या पढ़ाई के कारण नहीं है। इसकी इमारतें गोथिक, बारोक और रेनेसां शैली का अद्भुत मिश्रण हैं।

क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं छात्र

आर्ट का बेहतरीन फॉर्म

लाल ईंटों की भव्य इमारतें, ऊंची-ऊंची छतें, रंगीन ग्लास वाली खिड़कियां, नक्काशीदार स्तंभ और विशाल लाइब्रेरी देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। छात्र बताते हैं कि इतनी सुंदर जगह पर पढ़ाई करना खुद में एक अनोखा अनुभव है। क्लासरूम इतने आकर्षक हैं कि पढ़ते-पढ़ते ध्यान भटक जाता है। यूनिवर्सिटी का मुख्य बिल्डिंग, ऑडिटोरियम और आंतरिक हॉल इतने शानदार हैं कि पर्यटक भी इन्हें देखने के लिए खासतौर पर आते हैं। कई लोग इसे 'परियों का महल' कहकर पुकारते हैं।

पढ़ाई भी शानदार

पोलैंड में शिक्षा की गुणवत्ता भी बेहद अच्छी मानी जाती है। व्रोकलॉ यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग, साइंस, ह्यूमैनिटीज, लॉ और मेडिसिन जैसे कई कोर्स पढ़ाए जाते हैं। यहां कम फीस, अच्छी फैसिलिटी और विश्व स्तरीय शिक्षा मिलती है। यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र यहां पढ़ने आते हैं। भारतीय छात्रों के लिए भी यह यूनिवर्सिटी आकर्षक विकल्प है। कई भारतीय यहां उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं। वे बताते हैं कि कैंपस की सुंदरता मन को शांत रखती है और पढ़ाई में मदद करती है। भारत के जर्जर कॉलेज भवनों की तुलना में यहां का माहौल बिल्कुल अलग है। यूनिवर्सिटी के आसपास का इलाका भी बेहद खूबसूरत है। व्रोकलॉ शहर को पोलैंड का वेनिस भी कहा जाता है, क्योंकि यहां नदियां और पुरानी इमारतें बहुतायत में हैं।

लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा के निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड के नाम पर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का खेल चल रहा है। हॉस्पिटल संचालक मरीजों के परिजन से आयुष्मान कार्ड जमा करा रहे है और कार्ड ब्लॉक होने का हवाला देकर उनकी मजबूरी का फायदा उठाते हुए नगदी भुगतान करा रहे है। नगदी राशि लेने के बाद अस्पताल प्रबन्धन द्वारा धोखे से आयुष्मान कार्ड से भी राशि आहरित कर ली जा रही है। अस्पताल में मरीज और उनके परिजन को लूटने का यह खेल बड़े लम्बे समय से चल रहा है। ऐसा ही एक मामला शहर के लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल में सामने आया है। विवादों में रहने वाले लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल में मरीज से डेढ़ लाख रूपए से अधिक की राशि धोखे से कार्ड से आहरित कर ली गई। अब इस मामले में परिजन की शिकायत के बाद कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के रघुनाथनगर गिरवानी निवासी विवेक जायसवाल आ. शम्भू प्रसाद द्वारा अपने बड़े पिता राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल को 17 अप्रैल को पेट में दर्द की शिकायत पर गुदरी चौक स्थित लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल में लेकर गया हुआ था।

आरक्षक ने पत्नी के साथ मिलकर की महिला से 20 लाख रूपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

पुलिस विभाग में पदस्थ आरक्षक पर अपने ही रिश्तेदार महिला से धोखा धडी करने के मामले में अपराध दर्ज हुआ है।

डीजीपी के हस्तक्षेप के बाद आईजी, एसपी के निर्देश पर आरक्षक और उसकी पत्नी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी पति पत्नी ने महिला से तीस लाख रुपए लिए लेकिन बाद में उन्होंने महज 10 लाख रूपए ही लौटाएं। शेष राशि देने के बदले उन्होंने महिला पर ही ब्याज लेने का आरोप लगाकर अपराध दर्ज करा दिया। अब इस मामले में डीजीपी, आईजी व एसपी के निर्देश पर अपराध दर्ज किया गया है। आरक्षक सीएसपी का वाहन चालक है। फिलहाल इस मामले में जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि गांधीनगर थाना अंतर्गत ग्राम पटपरिया निवासी महिला अनुपमा सिंह अपने दो बच्चों के साथ रहती है और मेक ओवर नाम से ब्यूटी पार्लर चलाने का काम करती है। प्रवीण प्रताप सिंह पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ है और उसकी पत्नी अल्का प्रताप सिंह महिला अनुपमा सिंह की रिश्तेदार है।

नाबालिग से लैंगिक उत्पीड़न मामले में फूड इंस्पेक्टर व सहयोगी को 5-5 वर्ष की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रामानुजगंज

जिले की फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो) ने नाबालिग बालिका से लैंगिक उत्पीड़न के मामले में तत्कालीन फूड इंस्पेक्टर निखिलेश टेम्भुर्ने एवं उसके सहयोगी शाहरुख को दोषी करार देते हुए दोनों को 5-5 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोनों पर अर्थदंड भी लगाया है तथा फूड इंस्पेक्टर द्वारा नाबालिग को अवैध रूप से नौकरी पर रखने एवं राशन कार्ड से जुड़े कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी को निर्देश दिए हैं। अभियोजन के अनुसार नाबालिग पीड़िता की माता ने थाना रामानुजगंज में शिकायत दर्ज कराई थी कि 11 जनवरी 2022 को तत्कालीन फूड इंस्पेक्टर निखिलेश टेम्भुर्ने ने उसकी नाबालिग पुत्री को अपने कार्यालय में काम पर रखा। आरोप था कि वह कार्यालय के कार्य के बहाने पीड़िता को अपने घर बुलाता था और उसके साथ अश्लील हरकतें करता था। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी उसे नौकरी से निकालने और परिवार को जान से मारने की धमकी देता था।

चेतावनी

सिर्फ तेज हवा कसूरवार नहीं, चौंका देगी वजह

बारिश आते ही क्यों ताश के पत्तों की तरह ढह रहे हैं भारी-भरकम पेड़?

मुंबई। बारिश की बूंदें जब राहत बनकर बरसती हैं, तो कोई नहीं सोचता कि सड़क किनारे छांव देने वाला पेड़ अचानक किसी की मौत का कारण भी बन सकता है! मानसून की भारी बारिश के बीच बीते एक हफ्ते में तीन जिंदगियां जिनमें एक 11 साल का बच्चा भी शामिल था पेड़ गिरने की वजह से हमेशा के लिए खत्म हो गईं। बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, मात्र एक ही दिन में 142 जगहों पर पेड़ या उनकी शाखाएं टूटकर गिरीं। यह सिर्फ एक प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। आखिर क्यों हमारे शहरों के रक्षक कहे जाने वाले ये पेड़ अचानक बारिश हवा आते ही गिरने लगते हैं? क्या इसके पीछे सिर्फ हवा ही कारण है?

तो क्या सिर्फ तेज हवाएं गिरा रही हैं पेड़?

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि तेज आंधी के कारण से पेड़ गिरते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि असल कहानी कुछ और ही है। स्वस्थ और मजबूत पेड़ सिर्फ हवा के झोंकों से कभी नहीं गिरते। पेड़ असल में तब उखड़ते हैं जब उनकी जड़ें या तने पहले से ही कमजोर हो चुके हों। लगातार होने वाली बारिश से जमीन की मिट्टी पूरी तरह पानी सोख लेती है और दलदल जैसा रूप ले लेती है। इससे जड़ों पर मिट्टी की पकड़ ढीली हो जाती है। ऐसे में जब तेज हवाएं पेड़ के ऊपरी हिस्से से टकराती हैं, तो कमजोर हो चुकी मिट्टी पेड़ का वजन नहीं संभाल पाती और पूरा का पूरा पेड़ जड़ समेत उखड़ जाता है। ऊंचे पेड़ों के साथ यह खतरा और ज्यादा होता है क्योंकि उनकी लंबाई के कारण जड़ों पर प्रेशर कहीं ज्यादा बढ़ जाता है।

शहरीकरण बना सबसे बड़ा विलेन

पेड़ों के गिरने के पीछे कई कारण हैं, इनमें एक शहरीकरण भी है। शहरों में कंक्रीट का जाल, बिना प्लानिंग के निर्माण कार्य, सड़कों को चौड़ा करना, केबल और पाइपलाइनों के लिए की जाने वाली खुदाई और फुटपाथों का कंक्रीटीकरण पेड़ों की जड़ों को बुरी तरह डैमेज कर रहा है। फुटपाथों पर कंक्रीट बिछने के कारण मिट्टी तक ऑक्सीजन और पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे पेड़ अंदर ही अंदर खोखले और कमजोर हो रहे हैं।

शहरों में क्यों बढ़ रहा है यह खतरा?

भारत के तेजी से बढ़ते शहर आज पेड़ों के लिए खतरा बन चुके हैं। सड़कों के किनारे लगे पेड़ों को कंक्रीट के छोटे-छोटे गड्ढों में कैद कर दिया गया है, जिससे उनकी जड़ें फैल नहीं पातीं. बिना फैली जड़ों के ये पेड़ भारी तूफानों को झेलने में शक्तिशाली नहीं हो पाते हैं। दूसरी तरफ, क्लाइमेट चेंज के कारण अब कम समय में बहुत भारी बारिश और बेहद तेज हवाएं चलने लगी हैं।

सफेद-भूरा नहीं, ये है दुनिया के सबसे खूबसूरत अंडे

नई दिल्ली। आपने अंडे अक्सर सफेद या भूरे रंग के ही देखे होंगे। भारत में मुर्गी पालन के फार्म अंडे ज्यादातर सफेद होते हैं, जबकि देसी मुर्गियों के अंडे हल्के भूरे रंग के। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया भर में कुछ पक्षी ऐसे अंडे देते हैं जिन्हें देखकर आंखें ठहर सी जाती हैं? ये अंडे इतने खूबसूरत और अनोखे होते हैं कि कई बार लोग इन्हें पॉलिश किए गए रंगीन पत्थर समझ बैठते हैं।

प्रकृति की इस अनोखी कृति ने ना सिर्फ सुंदरता का खजाना दिया है, बल्कि जीव विज्ञान के कई रहस्य भी छिपाए हैं। आज हम आपको प्रकृति के कुछ ऐसे अंडों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बाद में जानकर आपको यकीन नहीं होगा। ये अंडे बेहद खूबसूरत दिखते हैं। पहली बार में तो लोगों को यकीन ही नहीं होता है कि ये कोई आर्ट वर्क नहीं, बल्कि अंडे हैं।

मां का खूबसूरत खजाना

सबसे चर्चित अंडों में से एक है ग्रेट तिनामु का अंडा। यह मध्य और दक्षिण अमेरिका का पक्षी है। इसका अंडा गहरे बैंगनी-नीले रंग का होता है, जो चमकदार और लगभग चमकीला दिखता है। ये अंडे इतने आकर्षक होते हैं कि इन्हें देखने वाले पर्यटक और प्रकृति प्रेमी हैरान रह जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह रंग छिपाव के लिए नहीं, बल्कि संभवतः नर पक्षी को आकर्षित करने या अंडों की पहचान के लिए विकसित हुआ है। अमेरिकन रॉबिन के अंडे भी कम चर्चित नहीं है। ये चमकीले नीले रंग के होते हैं जिन पर कभी-कभी हल्के धब्बे भी दिखते हैं। इनके नीले रंग का कारण बिलिवर्डिन नामक पिगमेंट है, जो पित्त में पाया जाता है।

खुला 1700 साल पुराना राज

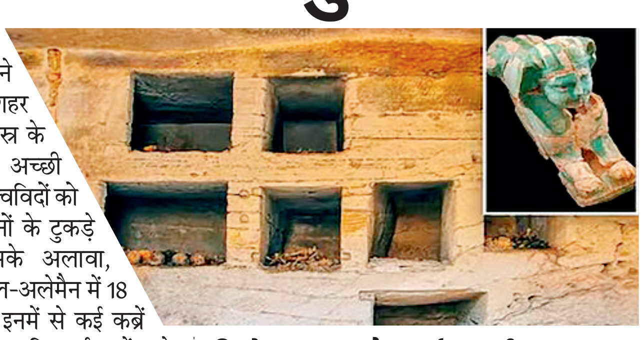

काहिरा। पुरातत्वविदों के हाथों बड़ी कामयाबी लगी है। उन्होंने बाइजेंटाइन युग का प्राचीन शहर खोज निकाला है। यह शहर मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में मिला, जो अच्छी तरह संरक्षित हालत में था। पुरातत्वविदों को खुदाई में सिक्के, मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े और औजार भी मिले। इसके अलावा, अलेक्जेंड्रिया के पास मरीना अल-अलेमैन में 18 प्राचीन कब्रें भी खोजी गई हैं। इनमें से कई कब्रें चट्टान काटकर बनाई गई थीं, जबकि कई कब्रें चूने पत्थर की बनी थीं। साथ ही, मिट्टी के बर्तन और ग्रेनाइट सारकोफैगस भी मिले।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो प्राचीन शहर खोजा गया, वह व्यवस्थित तरीके से बनाया गया था। उसमें सड़कों का बढ़िया जाल बनाया गया था। उसमें उत्तर-दक्षिण दिशा की मुख्य सड़कें पूर्व-पश्चिम सड़कों से काटती हुई मिलीं, जो खुले चौकों और सार्वजनिक स्थानों का निर्माण करती हुई दिखीं. यह सर्वोच्च पुरातत्व परिषद के महासचिव हिशाम अल-लीथी ने दी।

किलेबंद ढांचा और कई घर भी आए नजर

मसऊद ने बताया कि खुदाई में मोटी रक्षात्मक दीवारों वाला एक मजबूत किलेबंद ढांचा और कई घर भी मिले। उन घरों में स्वागत कक्ष और मेहराबदार छतें थीं। इनमें से एक घर तिसौस का था, जो एक चर्च डीकन का भी काम करता था। पुरातत्वविदों ने ब्रेड ओवन, रसोई, पिसाई के औजार और बाइजेंटाइन सम्राटों के चित्र वाले कांस्य सिक्के भी खोजे, जिन पर लैटिन शिलालेख और ईसाई प्रतीक अंकित थे। मंत्रालय के बयान के अनुसार, खोजे गए स्वर्ण सिक्कों का समूह रोमन सम्राट कॉन्स्टैंटियस द्वितीय के शासनकाल (337-361 ई.) का माना जा रहा है।

आंख फड़कना रोकने के चक्कर में खुद को किया अंधा!

बीजिंग। चीन में एक पुरानी कहावत बहुत मशहूर है कि बाईं आंख फड़के तो पैसा आए, दाईं फड़के तो मुसीबत आए। बस इसी डर से ले काफी ज्यादा परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि दाहिनी आंख का फड़कना उसके लिए कोई बुरा संकेत है। कुछ बड़ा अनहोनी होने वाली है। उसने पहले आंखों को आराम दिया, गर्म कपड़े से सेंक भी लगाई, पर फड़कना बंद ही नहीं हुआ। चीन में कई बुजुर्ग तो ये भी मानते हैं कि पलक पर सफेद कागज की पट्टी चिपका दो तो फड़कना रुक जाता है। ले ने ये सब नहीं किया। उसने सीधा अपनी आंख के आसपास जोर-जोर से थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। एक दिन नहीं, दो दिन नहीं, पूरे तीन दिन तक वो ऐसा करता रहा। नतीजा ये हुआ कि फड़कना तो रुक गया, लेकिन उसकी आंखों की रोशनी जाने लगी। पहले साइड से दिखना बंद हुआ। उसे लगा शायद थकान है। फिर धीरे-धीरे सामने भी धुंधला दिखने लगा। जब हालत ज्यादा खराब हुई तो वो डॉक्टर के पास भागा।

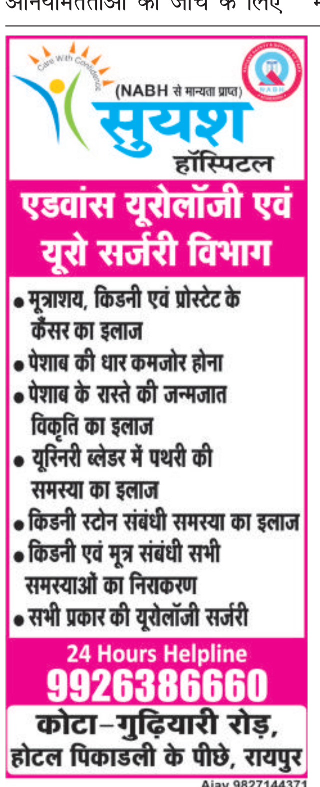

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com